RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning ● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

वर्ष : 26 | अंक : 228 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, शुक्रवार, 09 अगस्त, 2024 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रुपया | पेज: 8

मनीष सिसोदिया की 17 महीने बाद जेल से रिहाई

सुप्रीम कोर्ट ने सशर्त दी जमानत

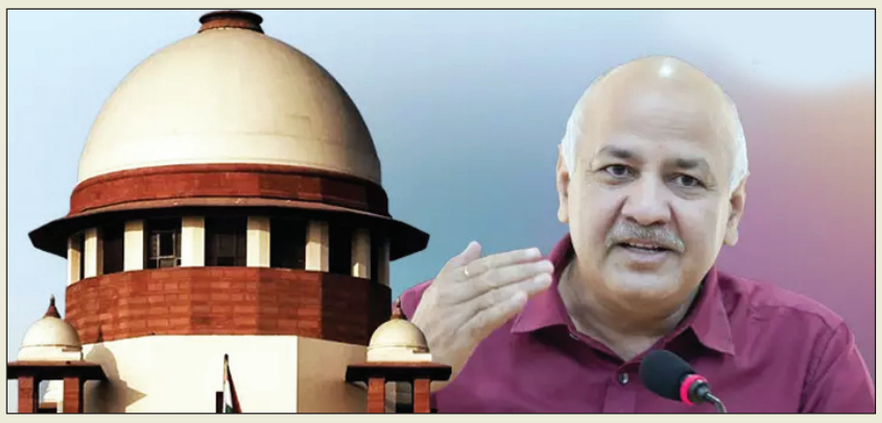

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टट के नेता व दिल्ली के पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के लिए शुक्रवार का दिन बेहद खास रहा। आबकारी नीति के मामले में पिछले 17 महीनों से जेल में बंद दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। सर्वोच्च अदालत ने उन्हें आबकारी मामले में जमानत दे दी है। बता दें कि तीन दिन पहले ही SC ने इस मामले में अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।

सुप्रीम कोर्ट ने आज अपना फैसला सुनाते हुए कहा कि जमानत के मामले में हाईकोर्ट और ट्रायल कोर्ट सेफ गेम खेल रहे हैं। सजा के तौर पर जमानत से इनकार नहीं किया जा सकता। अब समय आ गया है कि अदालतें समझें कि जमानत एक नियम है और जेल एक अपवाद है। (शेष पृष्ठ-4 पर)

कोर्ट ने तीन शर्तों पर दी जमानत

सर्वोच्च अदालत ने सिसोदिया को तीन शर्तों पर जमानत दी है। पहला ये कि उन्हें 10 लाख रुपए का मुचलका भरना होगा। इसके अलावा उन्हें दो जमानतदार पेश करने होंगे। वहीं, तीसरी शर्त यह है कि वह अपना पासपोर्ट सरेंडर कर देंगे। इसके अलावा मनीष सिसोदिया को सोमवार और गुरुवार को थाने में हाजिरी भी लगानी पड़ेगी।

इस दौरान अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने सुप्रीम कोर्ट से अनुरोध किया कि मनीष सिसोदिया को दिल्ली के मुख्यमंत्री कार्यालय में प्रवेश करने से रोक दिया जाए. लेकिन सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने कहा कि हम इसकी अनुमति नहीं दे सकते हैं. स्वतंत्रता का मामला हर दिन मायने रखता है।

फैसले से पहले कार्रवाई के बारे में बताया

सुप्रीम कोर्ट ने अपना फैसला सुनाने से पहले जमानत को लेकर अब तक की गई कार्यवाही के बारे में बताया. उन्होंने कहा कि सिसोदिया को निचली अदालत फिर हाई कोर्ट जाने के लिए कहा गया था। अगर राहत नहीं मिलती है तो सुप्रीम कोर्ट आने के लिए भी कहा गया था। इसके बाद उन्होंने (मनीष सिसोदिया) दोनों अदालत में याचिका दाखिल की थी।

उम्मीद है न्याय मिलेगा : अखिलेश

सुप्रीम कोर्ट द्वारा आप नेता मनीष सिसोदिया को जमानत दिए जाने पर समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा, 'मुझे उम्मीद है कि सभी को न्याय मिलेगा, खासकर आप नेता अरविंद केजरीवाल को जो अभी भी जेल में हैं।'

ग्रेटर नोएडा की सड़कों पर ट्रैक्टरों का रेला

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय किसान यूनियन ने आज ट्रैक्टर मार्च के जरिए किसानों की समस्याओं को उठाया। ग्रेटर नोएडा की सड़कों पर हर जगह ट्रैक्टर ही ट्रैक्टर नजर आ रहे थे। किसानों का यह काफिला जिला मुख्यालय सूरजपुर जाने वाला था लेकिन मौके पर मौजूद पुलिस ने मोजरबियर चौराहे पर ट्रैक्टरों को रोक दिया। किसानों और पुलिस के बीच काफी देर तक बहस भी होती रही।

भारतीय किसान यूनियन ने आज किसान ट्रैक्टर तिरंगा यात्रा निकाले जाने की घोषणा की थी। इसके तहत आज ग्रेटर नोएडा के जीरो प्वाइंट से बड़ी संख्या में किसान ट्रैक्टरों पर सवार होकर जिला मुख्यालय सूरजपुर की ओर बढ़ने लगे, लेकिन उन्हें पुलिस ने मोजरबियर चौराहे के पास रोक दिया। खबर लिखे जाने तक किसानों को आगे बढ़ने से रोक रखा था।

सलेमपुर गुर्जर में वृद्ध किसान की हत्या

खेत के पास बने घेर में लहूलुहान मिला शव

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)।

ग्रेटर नोएडा के थाना कासना क्षेत्र के ग्राम सलेमपुर गुर्जर में बीती रात घेर में सो रहे वृद्ध की गोली मारकर हत्या कर दी गई। परिजनों ने आज सुबह पुलिस को सूचना दी।

एडीसीपी ग्रेटर नोएडा अशोक कुमार ने बताया कि (73 वर्षीय) श्याम सिंह के पुत्र ने आज सुबह पुलिस को सूचना दी कि वह अपने पिता के साथ खेत के पास बने अपने घेर में सो रहे थे। रात्रि में उसे तेज धमाके की आवाज सुनाई दी उसने उठकर देखा लेकिन कोई व्यक्ति दिखाई नहीं दिया। आज सुबह जब वह सोकर उठा तो उसके पिता चारपाई पर लहूलुहान हालत में मृत पड़े हुए थे।

एडीसीपी ने बताया कि सूचना मिलने पर थाना कासना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल की है। जांच में पता चला है की वृद्ध को एक गोली लगी है। परिजनों के बयानों में भी विरोधाभास है। सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच पड़ताल की जा रही है।

अमेरिकी नागरिकों को डराकर करोड़ों कमाए

- नोएडा में बड़े फर्जी कॉल सेंटर का खुलासा
- बिटकॉइन व फ्लिपकार्ट के कूपन के जरिए लेते थे पेमेंट
- फर्जी कॉल सेंटर से 17 लोग गिरफ्तार

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा में जालसाजी का अड्डा खोलकर अमेरिकी नागरिकों को ठगने वाले एक फर्जी कॉल सेंटर का थाना सेक्टर-58 पुलिस ने भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने कॉल सेंटर से 12 पुरुष और तीन महिलाओं को गिरफ्तार किया है। मौके से 25 लैपटॉप, फार्म व अन्य सामान बरामद हुआ है। पकड़े गए आरोपी टेक्नो हेल्प के नाम पर अमेरिकन नागरिकों के साथ फर्जीवाडा करते थे।

डीसीपी नोएडा रामबदन सिंह ने बताया कि थाना सेक्टर-58 प्रभारी अमित कुमार ने मुखबिर की सूचना के आधार पर सेक्टर-59 के ए ब्लॉक में चल रहे फर्जी कॉल सेंटर पर छापा मारा। छापेमारी के दौरान यहां से निखिल राणा, समीर, संकेत शाह, मोहम्मद अली, शाहरुख खान, दानिश, हरीश सहित 15 लोगों को हिरासत में लिया गया। पकड़े गए आरोपियों में तीन महिलाएं भी शामिल हैं। पुलिस ने यहां से 25 लैपटॉप, फॉर्म, मोबाइल फोन व अन्य सामान बरामद किया है।

फर्जी कॉल सेंटर चला रहे

निखिल राणा ने बताया कि वह अमेरिकी नागरिकों के मोबाइल फोन, कंप्यूटर में वायरस डालकर उन्हें टेक्निकल सपोर्ट देने की बात कहते थे। इसकी एवज में वह अमेरिकी नागरिकों से बिटकॉइन व फ्लिपकार्ट के कूपन के जरिए गेटवे के माध्यम से पेमेंट लेते थे। उन्होंने बताया कि जांच में पता चला है कि आरोपी अमेरिकी नागरिकों को अब तक करोड़ों रुपए का चूना लगा चुके हैं।

इंटरव्यू देने आये युवक से मोबाइल फोन लूटा

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा में अलग-अलग स्थानों पर बाइक सवार बदमाशों ने दो लोगों से मोबाइल फोन लूट लिया। पीड़ितों की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

कृष्णा नगर गाजियाबाद निवासी तरुण कुमार ने थाना सेक्टर-58 में दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह 29 जुलाई को इंटरव्यू देने के लिए आया था। फोर्टिस हॉस्पिटल के पास बाइक पर आए दो बदमाश उसके हाथ से आईफोन छीनकर ले गए। उसने शोर मचाकर बदमाशों को पकड़ने का प्रयास किया लेकिन वह हत्थे नहीं चढ़े।

थाना ईकोटेक-3 क्षेत्र में 1 अगस्त को ड्यूटी पर जा रहे बरौला गांव निवासी अंकित कुमार का मोबाइल फोन बाइक सवार बदमाशों ने लूट लिया। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

नहर से 4 दिन बाद मिला छात्र का शव

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। दादरी में 4 दिन पहले जारचा थाना क्षेत्र में नहर में नहाने गए 14 साल के सातवीं कक्षा के छात्र जैद खान का शव आज सुबह 6 बजे पुलिस और एनडीआरएफ की टीम ने दादुपुर के पास से बरामद हुआ। जैद 4 दिन पहले अपने 3 अन्य दोस्तों के साथ जारचा क्षेत्र की खटाना नहर में नहाने गया था। इस दौरान वह डूब गया। पिछले चार दिन से पुलिस और एनडीआरएफ की टीम बच्चे का शव खोज रही थी।

इस दौरान नहर के तेज बहाव से सर्च ऑपरेशन में लगी एनडीआरएफ की टीम को चुनौती का सामना करना पड़ा था। इधर 14 वर्षीय मृतक जैद पुत्र यामीन का शव जैसे ही पीपल वाली मस्जिद के उसके घर पहुंचा तो परिजनों में कोहराम मच गया। बड़ी संख्या में आसपड़ोस में रहने वाले लोगों का भी घर के बाहर जमावड़ा लग गया। जैद के परिजनों का रो-रोकर हुआ बुरा हाल हो रहा है।

से. 12 में बंद कमरे में मिला वृद्ध का शव

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा के सेक्टर-12 में एच ब्लॉक के एक मकान से वृद्ध का सड़ा-गला शव मिला है। चार दिन पुराना होने के कारण शव में कीड़े पड़ गए थे। मकान से बदबू आने पर पड़ोसियों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने दरवाजा तोड़कर शव को बाहर निकाला।

सेक्टर-12 एच ब्लॉक में हरिलाल अकेले रहते थे। उनकी पत्नी व बेटा वी ब्लॉक में रह रहे हैं। मकान के फर्स्ट फ्लोर पर हरिलाल की बेटी और दामाद भी रहते थे। गुरुवार को मकान से बदबू आने पर पड़ोसियों ने इसकी जानकारी पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस को हरिलाल के कमरे का दरवाजा बंद मिला। पुलिस लॉक तोड़कर अंदर पहुंची तो बिस्तर पर हरिलाल का शव पड़ा हुआ था। कई दिन पुराना होने का कारण शव से तेज दुर्गंध उठ रही थी और उसमें कीड़े चल रहे थे। थाना प्रभारी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि हरिलाल अकेले ही अपने मकान में रह रहे थे। परिजनों के मुताबिक वह बीमार रहते थे। मौत के कारणों का पता लगाने के लिए पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

मोबाइल शॉप से चुराया लाखों का माल

बेचने से पहले पुलिस के हत्थे चढ़े चोर

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-20 पुलिस ने सेक्टर-18 की मोबाइल फोन शॉप में हुई चोरी का खुलासा कर दो चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके पास से मोबाइल शॉप से चोरी किया 22 लाख रुपए मूल्य के आई फोन बरामद किए हैं।

डीसीपी नोएडा रामबदन सिंह ने बताया कि सेक्टर-18 स्थित एक मोबाइल शॉप में 2 अगस्त को चोरी की घटना हुई थी। चोर जहां से 24 मोबाइल फोन, एक एप्पल वॉच चोरी कर ले गए थे। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस मुकदमा दर्ज कर जांच कर रही थी। मुखबिर की सूचना के आधार पर थाना प्रभारी धर्मप्रकाश शुक्ला व उनकी टीम ने

सरोज व दिनेश को गिरफ्तार किया। उनके पास से मोबाइल शॉप से चोरी किए गए 22 आईफोन व एक एप्पल वॉच बरामद हुई है। पकड़े गए दोनों आरोपी चोरी के फोनों को बेचने की जुगत में थे लेकिन उससे पहले ही वह पुलिस हत्थे चढ़ गए।

स्वच्छ जल-स्वच्छ भारत : लखनऊ में आज शहरी जल प्रबंधन के विषय पर आयोजित कार्यशाला में बतौर मुख्य वक्ता संबोधित करते नोएडा प्राधिकरण के जल विभाग के महाप्रबंधक आर.पी. सिंह। कार्यक्रम का आयोजन रीजनल सेंटर फॉर अर्बन एंड एनवायरोमेंटल स्टडीज द्वारा किया गया।

भाजपा का हर घर तिरंगा अभियान 11-15 तक

अभियान को लेकर अहम बैठक आज शाम, क्षेत्रीय अध्यक्ष लेंगे बैठक

नोएडा (चेतना मंच)। आजादी के अमृत महोत्सव काल में इस बार 15 अगस्त को भारतीय जनता पार्टी हर-घर तिरंगा अभियान चलाएगा। इस अभियान को लेकर पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं को हर सेक्टर तथा गांवों के सभी घरों, आरडब्ल्यूए कार्यालयों तथा पार्क, स्कूल आदि में तिरंगा लगाने तथा लोगों को तिरंगा लगाने के प्रति जागरूक किया जाएगा। भाजपा के नोएडा महानगर अध्यक्ष मनोज गुप्ता ने कहा कि (शेष पृष्ठ-4 पर)

गौतमबुद्धनगर में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़ी महिलाओं द्वारा हर घर तिरंगा अभियान के लिए राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा बनाया जा रहा है।

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस 14 को : उमेश त्यागी

भाजपा के नोएडा महानगर के महामंत्री उमेश त्यागी ने बताया कि इसी क्रम में 14 अगस्त को भारत विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस मनाया जाएगा। इस अवसर पर सभी जिला केन्द्र पर संगोष्ठी करके विभाजन के काले अध्याय को याद करते हुए लाखों की संख्या में मारे गये लोगों को श्रद्धांजलि दी जाएगी तथा एक प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। संगोष्ठी के बाद मौन जुलूस निकाला जाएगा।

कट्टरपंथियों का वर्चस्व

बांग्लादेश के साफ संकेत हैं कि अब वहां कट्टरपंथियों और भारत-विरोधी ताकतों का वर्चस्व होगा। आतंकवाद का खतरा बढ़ेगा। बांग्लादेश में भी तालिबान सक्रिय होंगे। वहां के प्रधानमंत्री आवास को आम जनता के लिए इस कदर खोल रखा गया है मानो कोई मेला लगा हो! कुछ युवा चेहरों की अश्लील, असभ्य, विद्रूप मानसिकता सार्वजनिक हुई है, जब उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की ब्रा और अंतर्वस्त्र सरेआम लहराए हैं। ऐसे युवा कुछ भी हो सकते हैं, लेकिन आंदोलनकारी छात्र नहीं हो सकते। वे बेशर्म जमात भी हो सकते हैं, लेकिन अपने ही मुल्क का अपमान कर रहे हैं। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) और जमात-ए-इस्लामी दोनों ही कट्टरवादी दल हैं और पाकपरस्त भी हैं। अंतरिम सरकार बनने से पहले ही दोनों दलों के करीब 9000 कार्यकर्ताओं को जेलों से रिहा कर दिया गया है। पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया और उनके पुत्र तारिक रहमान की सरपरस्ती में इन दलों ने आम जनसभा को संबोधित भी किया है। तारिक हत्या के तीन मामलों में उम्रकैद के सजायाफ्ता हैं, लेकिन वह लंदन में स्वनिर्वासन में थे। अभी ढाका लौट कर आए हैं, तो अदालतें फिलहाल खामोश और निष्क्रिय हैं। प्रधानमंत्री शेख हसीना की सरकार में मंत्री रहे 10 और अन्य बड़े नेताओं को गिरफ्तार कर लिया गया है। दरअसल बीएनपी और जमात के साथ पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई ने 'सौदेबाजी' की है कि शेख मुजीब की सियासी विरासत की प्रतीक 'अवामी लीग' पार्टी का नामोनिशां ही मिटा दिया जाए, ताकि 1971 की बगावत की मुकम्मल सजा दी जा सके। हसीना के बांग्लादेश छोड़ कर चले जाने के साथ ही शेख मुजीब की सियासी विरासत तो समाप्त हो गई। पाकिस्तानी फौज गदगद है और लड्डू खा रही है। ऐसी सूचनाएं भी हैं कि आईएसआई लंदन में तारिक रहमान और जमात के नेतृत्व के साथ 2018 से ही 'तख्तापलट' की साजिश रच रही थी, लेकिन अभी तक नाकाम रही थी। मौजूदा आंदोलन का आवरण छात्रों का था, लेकिन उनकी आड़ में जमात और बीएनपी के कार्यकर्ताओं ने ही आंदोलन को 'तख्तापलट' का रूप दिया था। जमात का छात्र संगठन ही आंदोलन और बगावत के पीछे सक्रिय था। बेशक शेख हसीना को मुल्क छोड़े तीन दिन गुजर चुके हैं, लेकिन बांग्लादेश के हालात अब भी सामान्य नहीं हुए हैं। करीब 125 लोग बीते एक दिन में मारे गए हैं। कुल मौतों की संख्या 450 से अधिक हो गई है। चूंकि प्रधानमंत्री के तौर पर हसीना भारत-समर्थक थीं। दोनों देशों ने कई साझा परियोजनाएं शुरू कीं और पुराने विवादों को भी खत्म किया। अब अंतरिम सरकार के दौर में कट्टरपंथी और भारत-विरोधी ताकतें ऐलानिया कह रही हैं कि उन परियोजनाओं की जांच और समीक्षा की जाएगी। बांग्लादेश के एक तबके का भारत-विरोध इनसे स्पष्ट होता है कि बीते तीन दिनों में ही 30 हिंदू मंदिर तोड़ दिए गए। उनमें आस्था की देव-मूर्तियों को भी खंडित कर ध्वस्त किया गया। मंदिरों में आग लगा दी गई। हिंदुओं के 300 से अधिक घर और उनकी दुकानें भी तोड़ी गईं और आगजनी भी की गई। बीते कुछ सालों के दौरान करीब 3600 हिंदू मंदिरों को तोड़ा जा चुका है और उन्हें आग के हवाले किया जाता रहा है। क्या बांग्लादेश हिंदू-विरोधी भी हो रहा है? बांग्लादेश में हिंदुओं की आबादी अब मात्र 7.9 फीसदी है, जबकि 1971 में देश-निर्माण के वक्त यह आबादी करीब 23 फीसदी थी। बेशक हिंदू घोर अल्पसंख्यक हैं। क्या मोदी सरकार प्रभावी हस्तक्षेप करेगी? बीएनपी की सरकार पहले भी बांग्लादेश में रही है। जमात भी भारत का विरोध करती रही है। जमात तो 1971 में भी पाकिस्तानपरस्त था और बांग्लादेश बनाने के अभियान के खिलाफ था। यह भी हकीकत है कि बांग्लादेश कई मामलों में भारत के भरोसे रहा है। हकीकत यह भी है कि अब बांग्लादेश में करीब 80 फीसदी सैन्य हथियार चीन से आते हैं। क्या नई सरकार चीन के साथ अपने संबंध मजबूत करेगी और भारत का खुलेआम विरोध करेगी? भारत के लिए घुसपैठ और शरणार्थियों का आना भी बेहद गंभीर चुनौती है। उसे किस तरह नियंत्रित किया जा सकता है? बहरहाल अभी तो निगाहें बांग्लादेश के घटनाक्रम पर टिकी रहेंगी। शेख हसीना किस देश में जाना चाहेंगी, यह भी चिंतित सवाल है। हिंदुओं पर हो रहे हमले भी चिंता पैदा करते हैं।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि मनोवांछित वस्तु देने में श्रेष्ठ कल्पवृक्ष के समान हैं और सेवा करने में हरि-हर के समान सुलभ और सुख देने वाले हैं। सुकवि रूपी शरद् ऋतु के मन रूपी आकाश को सुशोभित करने के लिए तारागण के समान और श्री रामजी के भक्तों के तो जीवन धन ही हैं॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

सकल सुकृत फल भूरि भोग से। जग हित निरुपधि साधु लोग से॥
सेवक मन मानस मराल से। पावन गंग तरंग माल से॥

सम्पूर्ण पुण्यों के फल महान भोगों के समान हैं। जगत का छलरहित (यथार्थ) हित करने में साधु-संतों के समान हैं। सेवकों के मन रूपी मानसरोवर के लिए हंस के समान और पवित्र करने में गंगाजी की तरंगमालाओं के समान हैं॥

दो0-कुपथ कुतरक कुचालि कलि कपट दंभ पाषंड।
दहन राम गुन ग्राम जिमि इंधन अनल प्रचंड॥

श्री रामजी के गुणों के समूह कुमार्ग, कुतर्क, कुचाल और कलियुग के कपट, दम्भ और पाखण्ड को जलाने के लिए वैसे ही हैं, जैसे ईंधन के लिए प्रचण्ड अग्नि॥

रामचरित राकेस कर सरिस सुखद सब काहु।
सज्जन कुमुद चकोर चित हित बिसेषि बड़ लाहु॥

रामचरित्र पूर्णिमा के चन्द्रमा की किरणों के समान सभी को सुख देने वाले हैं, परन्तु सज्जन रूपी कुमुदिनी और चकोर के चित्त के लिए तो विशेष हितकारी और महान लाभदायक हैं॥

(क्रमशः...)

बांग्लादेश के हालात से बहुत संतर्क रहना होगा

बांग्लादेश में महीनों से सुलग रही आरक्षण और सरकार विरोधी चिंगारी सोमवार को भीषण आग के रूप में फूटी। 300 लोगों की मौत के बाद सेना भी उग्र भीड़ को संभाल नहीं पाई। नतीजतन करीब डेढ़ दशक से बांग्लादेश की सत्ता पर काबिज प्रधानमंत्री शेख हसीना को जान बचाकर देश से भागना पड़ा है। शेख हसीना भागकर फिलहाल भारत आई हैं। सूत्रों का कहना है कि शेख हसीना लंदन जाने की तैयारी कर रही हैं। शेख हसीना ने इंग्लैंड की सरकार से शरण मांगी है। बांग्लादेश में हिंसक प्रदर्शन जारी है। अब प्रदर्शनकारियों ने देश के चीफ ऑफ जस्टिस के घर में घुसकर तोड़-फोड़ की है। प्रदर्शनकारियों ने घर में मौजूद कार, फर्नीचर के साथ घर का सारा समान लूट ले गए हैं। प्रदर्शनकारियों ने सोमवार को ढाका में इंडिया कल्चर सेंटर पर हमला बोला। साथ ही काली व इस्कॉन समेत देशभर में कम से कम चार मंदिरों में भी तोड़फोड़ की गई है। बांग्लादेश के अल्पसंख्यक डरे और सहमें हैं। वहां क्या हालात बनेंगे? वहां के अल्पसंख्यकों की सुरक्षा कैसे होगी, इस पर भारत को नजर रखनी होगी। ये भी देखना है कि सरकार कैसी बनता है? उसका भारत के प्रति नजरिया कैसा होगा? नई सरकार कहीं इस्लामिक कट्टरवाद को बढ़ावा तो नही देगी। उसका रूख पाकिस्तान और चीन संमर्थक तो नहीं होगा? भारत को अपने देश की सीमा को पूरी तरह बंद रखना होगा, ताकि वहां के हालात से डरे नागरिक अपने भारत में न आ सकें। 1971 में बांग्लादेश को पाकिस्तान से आजादी दिलाने की लड़ाई में शामिल क्रांतिकारियों के परिवारों को सरकारी नौकरियों में दिए जा रहे आरक्षण को खत्म करने की मांग के साथ पिछले महीने विरोध प्रदर्शन शुरू हुआ। बांग्लादेश के सुप्रीम कोर्ट ने आरक्षण पर पहले ही अंतरिम रोक लगा दी थी। ऐसे में सवाल उठता है कि प्रदर्शनकारी आखिर फिर से इतने हिंसक होकर सड़कों पर क्यों उतर आए। असल में हिंसा की यह नई लहर तब शुरू हुई जब प्रदर्शनकारियों ने असहयोग का आह्वान किया। इसमें लोगों से कर या बिजली बिल का भुगतान न करने और रविवार को काम पर न आने का आग्रह किया गया। सोमवार को जब कार्यालय, बैंक और कारखाने खुले, तो प्रदर्शनकारियों ने लोगों को काम पर जाने से रोकना शुरू कर दिया। सेना ने प्रदर्शनकारियों से निपटने के लिए गोलियां चलानी शुरू कर दी। प्रदर्शनकारियों ने एक दिन पहले लगाए गए कर्फ्यू की परवाह किए बिना ढाका में प्रधानमंत्री आवास पर धावा बोल दिया। प्रदर्शनकारियों ने ढाका के शाहबाग इलाके में स्थित एक प्रमुख सार्वजनिक अस्पताल बंगबंधु शेख मुजीब मेडिकल यूनिवर्सिटी पर हमला किया है। प्रदर्शनकारियों ने जगह-जगह सत्तारूढ़ पार्टी के कार्यालयों व वाहनों में भी आग लगा दी।

सुप्रीम कोर्ट ने आरक्षण पर रोक के बावजूद प्रदर्शनकारी प्रधानमंत्री शेख हसीना इस्तीफे पर अड़े रहे। 14 जुलाई को बतौर प्रधानमंत्री शेख हसीना ने कहा था, स्वतंत्रता सेनानियों के पोते-पोतियों को आरक्षण का लाभ नहीं मिलेगा। इस पर प्रदर्शनकारियों ने कहा कि क्या आरक्षण का लाभ रजाकारों के पोते-पोतियों को मिलेगा। प्रदर्शनकारी छात्रों ने इस बयान के बाद, 'तुई के, अमी के रजाकार, रजाकार' के नारे लगाने शुरू कर दिए और हिंसा ज्यादा भड़क गई।

सुप्रीम कोर्ट ने आरक्षण पर रोक के बावजूद प्रदर्शनकारी प्रधानमंत्री शेख हसीना इस्तीफे पर अड़े रहे। 14 जुलाई को बतौर प्रधानमंत्री शेख हसीना ने कहा था, स्वतंत्रता सेनानियों के पोते-पोतियों को आरक्षण का लाभ नहीं मिलेगा। इस पर प्रदर्शनकारियों ने कहा कि क्या आरक्षण का लाभ रजाकारों के पोते-पोतियों को मिलेगा।

बांग्लादेश मुक्ति संग्राम के दौरान पाकिस्तानी सेना द्वारा गठित रजाकार करूर अर्धसैनिक बल था। रजाकारों ने मुक्ति संग्राम में शामिल स्वतंत्रता सेनानियों और आम लोगों के खिलाफ अत्याचार किया। आज भी यह शब्द वहां अपमानजनक माना जाता है। इसका इस्तेमाल देशद्रोहियों और अत्याचारियों के लिए किया जाता है।

बांग्लादेश में उथल-पुथल व तख्तापलट का इतिहास 1975 से शुरू होता है।हसीना के पिता और देश के पहले प्रधानमंत्री शेख मुजीबुर रहमान की उनके परिवार के ज्यादातर सदस्यों की हत्या कर दी गई। जनरल जियाउर रहमान ने सत्ता पर कब्जा किया। 1981 गेस्ट हाउस में घुसकर विद्रोहियों ने जियाउर रहमान की हत्या की। हालांकि, सेना का बड़ा तबका वफादार होने से तख्तापलट नाकाम रहा। 1982 रहमान के उत्तराधिकारी अब्दुस सत्तार को हुसैन मुहम्मद इरशाद के नेतृत्व में सत्ता से बेदखल कर दिया गया। इरशाद राष्ट्रपति बन गए। 2007 सेना प्रमुख ने एक कार्यवाहक सरकार का समर्थन किया, जो 2009 तक सत्ता पर काबिज रही। 2009 अर्धसैनिक बलों का विद्रोह.. में 70 लोगों की हत्या, इनमें से अधिकांश सैन्य अधिकारी थे।2012 सेना ने कहा, शरिया या इस्लामी कानून से प्रेरित तख्तापलट के प्रयास को विफल कर दिया है।

स्पष्टतौर पर बांग्लादेश में सुलग रही हिंसा के केंद्र में आरक्षण है। बांग्लादेश की जनसंख्या17 करोड़ है और देश में लगभग 3.2 करोड़ युवा बेरोजगार हैं।1971 के बांग्लादेश मुक्ति संग्राम में शामिल लोगों के वंशजों को मिल रहे आरक्षण को खत्म करने के लिए छात्र मांग कर रहे हैं। इसी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। बांग्लादेश मुक्ति संग्राम में शामिल रहे लोगों के वंशजों को 30 फीसदी आरक्षण दिया जाता है। 10 फीसदी आरक्षण महिलाओं के लिए भी है।

अल्पसंख्यकों को धर्म के आधार पर पांच प्रतिशत व विकलांगों को एक फीसदी आरक्षण का प्रावधान है। पिछड़े जिलों में रहने वालों को 10 प्रतिशत आरक्षण मिलता है। बांग्लादेश में बेरोजगारी से परेशान युवक इस आरक्षण का विरोध कर रहे हैं।

बांग्लादेश के सेना प्रमुख जनरल वकार, हसीना के रिश्ते में बहनोई हैं। सेना प्रमुख जनरल वकार वहां सबसे अहम चेहरा बनकर सामने आए हैं। उन्होंने ही शेख हसीना के देश छोड़कर जाने और इस्तीफे का एलान किया। 20 दिसंबर, 1985 को बांग्लादेश की सेना में शामिल हुए जनरल वकार की छवि एक बेहद अनुशासित अधिकारी की रही है। जानकारों का मानना है कि हसीना का बांग्लादेश छोड़कर जाना और वकार का कमान संभालना एक सोचा-समझा निर्णय है। शेख हसीना के देश छोडने के बाद देश के सेना प्रमुख ने कहा है कि वो सभी से बातचीत करके देश में अंतरिम सरकार बनवाएंगे! बांग्लादेश में तख्तापलट से पहले सत्तारूढ़ रही आवामी लीग पार्टी ने आरोप लगाया है कि देशव्यापी हिंसक प्रदर्शन के पीछे बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) का हाथ है। आवामी लीग के मुताबिक आरक्षण पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद भी प्रधानमंत्री शेख हसीना के इस्तीफे की मांग दिखाती है कि विरोध-प्रदर्शनों के पीछे असल में छात्र नहीं, देश के मुख्य विपक्षी राजनीतिक दल- बीएनपी और प्रतिबंधित संगठन- जमात-ए-इस्लामी की रणनीति है। इनका मकसद किसी भी तरह से देश की सत्ता हासिल करना है।

बांग्लादेश में देशव्यापी आंदोलन के कारण राजनीतिक अस्थिरता का माहौल है। देश के राष्ट्रपति ने कहा है कि संसद भंग कर अंतरिम सरकार बनाई जाएगी। राष्ट्रपति ने विपक्षी नेता खालिदा जिया को रिहा करने का आदेश दिया है। खालिदा जिया विपक्षी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की प्रमुख हैं और 1991-96 और 2001-06 के दौरान दो बार प्रधानमंत्री रह चुकी हैं। राष्ट्रपति बोले- खालिदा जिया की रिहाई के बाद अंतरिम सरकार का गठन होगा।

बांग्लादेश के प्रदर्शनकारी नेताओं ने सोमवार को छात्रों से यह सुनिश्चित करने का आह्वान किया कि प्रधानमंत्री शेख हसीना के पद से हटने के बाद देश में पैदा हुए हालात में किसी को भी लूटने का मौका न मिले, और उनसे अपनी मांगें होने तक शांतिपूर्ण तरीके से विरोध करने का आग्रह किया।

बांग्लादेश में उथल-पुथल के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में सुरक्षा पर कैबिनेट समिति की बैठक हुई है। जिसमें विदेश मंत्री एस. जयशंकर प्रधानमंत्री मोदी के पड़ोसी देश के हालात पर जानकारी दी है। देखना यह है कि बांग्ला देश में अब किसकी सरकार बनती है।उसका भारत के प्रति रूख कैसा होता है? नई सरकार भारत समर्थक होगी या कट्टर इस्लाम का रास्ता स्वीकार कर पाकिस्तान को अपना आका मानेगी।हालाकि बांग्लादेश के सेना प्रमुख जनरल वकार शेख हसीना के नजदीकी और रिश्ते में बहनोई लगतें हैं। उनसे उम्मीद है कि बांग्ला देश शेख हसीना के पद चिंहों पर चलेगा, किंतु वहां के राष्ट्रपति का रूख अभी देखना होगा।उसी रूख के आधार पर भारत को अपनी नई नीति बनानी होगी।

-अशोक मधुप
(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

भारत की आर्थिक प्रगति को रोकने के लिए अशांति फैलाने की साजिश

भारत की लगातार तेज हो रही आर्थिक प्रगति पर विश्व के कुछ देश अब ईर्ष्या करने लगे हैं एवं उन्हें यह आभास हो रहा है कि आगे आने वाले समय में इससे उनके अपने आर्थिक हितों पर विपरीत प्रभाव पड़ सकता है। इस सूची में सबसे ऊपर चीन का नाम उभर कर सामने आ रहा है। और फिर, चीन की अपनी आर्थिक प्रगति धीमी भी होती जा रही है। दूसरे, विश्व को भी आज यह आभास होने लगा है कि विभिन्न वस्तुओं के उत्पादन के मामले में केवल चीन पर निर्भर रहना बहुत जोखिम भरा कार्य है। इसका अनुभव विशेष रूप से विकसित देशों ने कोरोना महामारी के बाद से वितरण चैन में आई भारी परेशानी से किया है, जिसके चलते इन देशों में मुद्रा स्फीति की समस्या आज भी पूरे तौर पर नियंत्रण में नहीं आ पाई है। साथ ही, चीन की विस्तारवादी नीतियों के चलते उसके अपने किसी भी पड़ोसी देश से (पाकिस्तान को छोड़कर) अच्छे सम्बंध नहीं हैं। अत: कई देश अब यह सोचने पर मजबूर हुए हैं कि चीन+1 की नीति का अनुपालन ही उनके हित में होगा। अर्थात, यदि किसी उद्योगपति ने चीन में अपनी एक विनिर्माण इकाई स्थापित की है तो आवश्यकता पड़ने पर उसके द्वारा अब दूसरी विनिर्माण इकाई चीन में स्थापित न करते हुए इसे अब किसी अन्य देश में स्थापित किया जाना चाहिए। यह दूसरा देश भारत भी हो सकता क्योंकि भारत अब न केवल ईज आफ डूइंग बिजनेस के क्षेत्र में अतुलनीय सुधार करता हुआ दिखाई दे रहा है बल्कि भारत में बुनियादी ढांचा के विस्तार में भी अतुलनीय प्रगति दृष्टिगोचर है।

केंद्र सरकार द्वारा आर्थिक क्षेत्र में लागू की गई कई नीतियों के चलते भारत आज विश्व की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था तो बन ही गया है और अब यह तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है। अर्थ के कई क्षेत्रों में तो भारत विश्व में प्रथम पायदान पर आ भी चुका है। इससे अब चीन के साथ अमेरिका को भी आने वाले समय में वैश्विक स्तर पर अपने प्रभाव में कमी आने की चिंता सताने लगी है। अत: विश्व के कई देशों में अब भारत की आर्थिक प्रगति को लेकर ईर्ष्या की भावना विकसित होती दिखाई दे रही है। इस ईर्ष्या की भावना के कारण वे भारत के लिए कई प्रकार की समस्याएं खड़ी करने का प्रयास करते दिखाई देने लगे हैं। यह समस्याएं केवल आर्थिक क्षेत्र में खड़ी नहीं की जा रही हैं बल्कि सामाजिक, राजनैतिक एवं आध्यात्मिक आदि क्षेत्रों में भी खड़ी करने के प्रयास हो रहे हैं।

सबसे पहिले तो कुछ देश प्रयास कर रहे हैं कि भारत में किस प्रकार सामाजिक अशांति फैलायी जाए। इसके लिए भारत की कुटुंब प्रणाली को तोड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं। देश में विभिन्न टीवी चैनल पर इस प्रकार के सीरियल दिखाए जा रहे हैं जिससे परिवार के विभिन्न सदस्यों के बीच आपस में छोटी छोटी बातों में लड़ने को बढ़ावा मिल रहा है। इन सीरियल में सास को बहू से, ननद को देवरानी से, छोटी बहिन को बड़ी बहिन से, एक पड़ौसी को दूसरे पड़ौसी से, संघर्ष करते हुए दिखाया जा रहा है। इन सीरियल के माध्यम से भारत में भी पूंजीवाद की तर्ज पर व्यक्तिवाद को हावी होते हुए दिखाया जा रहा है। जबकि भारतीय हिंदू सनातन संस्कृति हमें संयुक्त परिवार में आपस में मिलजुल कर रहना सिखाती है, त्याग एवं तपस्या की भावना जागृत करती है एवं परिवार के छोटे सदस्यों द्वारा अपने बड़े सदस्यों का आदर करना सिखाती है। इसके ठीक विपरीत पश्चिमी सभ्यता के अंतर्गत संयुक्त परिवार दिखाई ही नहीं देते हैं वे तो व्यक्तिगत स्तर पर केवल अपने आर्थिक हित साधते हुए नजर आते है। पश्चिमी देशों के इन प्रयासों से आज कुछ हद तक भारतीय समाज भी पश्चिमी सभ्यता की ओर आकर्षित होता हुआ दिखाई देने लगा है। आज विकसित देशों के परिवारों में बेटे के 18 वर्ष की आयु प्राप्त करने के पश्चात वह परिवार से अलग होकर अपना परिवार बसा लेता है। अपने बूढ़े माता पिता की देखभाल भी नहीं कर पाता है। इसके चलते इन देशों में सरकारों को अपने प्रौढ़ वर्ग के नागरिकों के देखरेख करनी होती है और इनके लिए सरकार के स्तर पर कई योजनाएं चलानी पड़ती है। आज इन देशों में प्रौढ़ नागरिकों की संख्या के लगातार बढ़ते जाने से सरकार के बजट पर अत्यधिक विपरीत प्रभाव पड़ता हुआ दिखाई दे रहा है। जबकि भारत में संयुक्त परिवार की प्रथा के कारण ही इस प्रकार की कोई समस्या दिखाई नहीं दे रही है। अत: पश्चिमी देशों द्वारा भारत की कुटुंब प्रणाली को अपनाए जाने के स्थान पर इसे भारत में भी नष्ट करने का प्रयास किया जा रहा है।

दूसरे, कई देश अब भारत में सामाजिक समरसता के तानेबाने को भी विपरीत रूप से प्रभावित करने के प्रयास करते हुए दिखाई दे रहे हैं। विशेष रूप से हिंदू समाज में विभिन्न मत, पंथ मानने वाले नागरिकों को आपस में लड़ाने के प्रयास किए जा रहे हैं ताकि इन्हें आपस में बांटा जा सके और भारत में अशांति फैलायी जा सके तथा जिससे देश की आर्थिक प्रगति विपरीत रूप से प्रभावित हो सके। भारत के इतिहास पर नजर डालने पर ध्यान में आता है कि भारत में जब जब सामाजिक समरसता का अभाव दिखाई दिया है तब तब विदेशी आक्रांताओं एवं अंग्रेजों को भारत में अपना शासन स्थापित करने में आसानी हुई है। उन्होंने बांटो एवं राज करो की नीति के अनुपालन से ही भारत के कुछ भू भाग पर अपनी सत्ता स्थापित की थी। अब एक बार पुन: इसी आजमाए हुए नुस्खे को पुन: आजमाने का प्रयास किया जा रहा है। चाहे वह जातिगत जनगणना करने के नाम पर हो अथवा समाज के विभिन्न वर्गों को दी जाने वाली सुविधाओं को लेकर किये जाने वाले आंदोलनों की बात हो। तीसरे, कई देशों द्वारा भारतीय उपमहाद्वीप के अन्य देशों में भी अस्थिरता फैलाने के प्रयास किए जा रहे हैं। सबसे ताजा उदाहरण बांग्लादेश का लिया जा सकता है जहां हाल ही में सत्ता परिवर्तन हुआ है। अब बांग्लादेश में अतिवादी दलों के हाथों में सत्ता की कमान जाती हुई दिखाई दे रही है इससे अब बांग्लादेश में भी आर्थिक प्रगति विपरीत रूप से प्रभावित होगी। मालदीव में पूर्व में ही भारत विरोध के नाम पर अतिवादी दलों ने सत्ता हथिया ली है, जो वहां भारत गो बैक के नारे लगाते हुए दिखाई दे रहे हैं एवं चीन के साथ अपने राजनैतिक रिश्ते स्थापित कर रहे हैं। नेपाल में भी हाल ही में हुए सत्ता परिवर्तन के बाद वे चीन के करीब जाते हुए दिखाई दे रहे हैं। श्रीलंका पूर्व में ही राजनैतिक अस्थिरता के दौर से गुजर चुका है। पाकिस्तान तो घोषित रूप से अपने आप को भारत का दुश्मन देश कहलाता है। अफगानिस्तान में भी तालिबान की सत्ता स्थापित हो चुकी है, हालांकि अफगानिस्तान ने भारत की ओर दोस्ती का हाथ बढ़ाया है। कुल मिलाकर भारत की आर्थिक प्रगति को रोकने हेतु कुछ देशों द्वारा भरपूर प्रयास किए जा रहे हैं। भारत में अशांति फैलाकर ये देश प्रत्यक्ष विदेशी निवेश को भारत में आने से रोकने के प्रयास कर रहे हैं ताकि विदेशी कम्पनियां भारत में विनिर्माण इकाईयों को स्थापित करने के प्रति हत्तोत्साहित हों और देश में बेरोजगारी की समस्या विकराल रूप धारण कर ले।

- प्रहलाद सबनानी

राशिफल

श्रावण कृष्ण पक्ष : पंचमी | **(विक्रम संवत् 2081)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
स्वास्थ्य पर ध्यान दें। शत्रु के उकसावे में न आएं। वो स्वंय नतमस्तक होंगे। प्रेम, संतान की स्थिति अच्छी है।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
बच्चों की सेहत पर ध्यान दें। प्रेम में तू-तू, मैं-मैं से बचें। अभी कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। रोक के रखें।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
घर में कोई बड़ा झगड़ा या बवाल न हो इस बात का ध्यान रखिएगा और घरेलू चीजों को बहुत शांत होकर निपटाइएगा।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
भूमि, भवन, वाहन की खरीदारी में कठिनाई का सामना करना पड़ेगा। घरेलू विवाद बढ़ सकता है। स्वास्थ्य मध्यम।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
धन-हानि के योग हैं। जुआ, सट्टा, लॉटरी में पैसा न लगाएं। जुबान पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य मध्यम।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
घबराहट, बेचैनी, मानसिक परेशानी बनी रहेगी। स्वास्थ्य भी मध्यम रहेगा। प्रेम, संतान मध्यम। व्यापार ठीक रहेगा।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
सर दर्द, नेत्र पीड़ा, अज्ञात भय परेशान करेगा। पार्टनरशिप में प्रॉब्लम होगी। स्वास्थ्य मध्यम। प्रेम, संतान मध्यम।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
आय में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। मन परेशान रहेगा। बच्चों की सेहत पर ध्यान दें। प्रेम में तू-तू, मैं-मैं से बचें।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
व्यावसायिक उतार-चढ़ाव बना रहेगा। कोर्ट-कचहरी से बचें। पिता के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। स्वंय के स्वास्थ्य पर ध्यान दें।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
अपमानित होने का भय रहेगा। यात्रा में कष्ट संभव है। धर्म-कर्म में अतिवादी न बनें। स्वास्थ्य थोड़ा सा मध्यम।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
भाग्य में भरोसा करके कोई काम न करें अभी। स्वास्थ्य ठीक है। प्रेम, संतान की स्थिति अच्छी है। व्यापार अच्छा।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
स्वास्थ्य प्रभावित दिख रहा है। जीवनसाथी के साथ और स्वास्थ्य दोनों पर ध्यान दें। नौकरी-चाकरी भी मध्यम है।

गोष्ठी का हुआ आयोजन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। सामाजिक संगठन ने दुजाना गांव में पुस्तक दिवस के मौके पर पुस्तकों के महत्व पर गोष्ठी का आयोजन किया गोष्ठी का मुख्य उद्देश्य पुस्तकों के प्रति छात्रों के प्रेम और समर्पण को बढ़ाना है। उम्मीद संस्था के संस्थापक एवं संयोजक डॉक्टर देवेंद्र कुमार नागर एवं बीकेयू अंबावता के दादरी तहसील अध्यक्ष किसान नेता राजकुमार रूपबास ने बताया कि पुस्तक ज्ञान,जानकारी और अनुभवों का भंडार होती हैं। पुस्तके हमारे समाज की संस्कृति और परंपराओं का संरक्षण करती हैं वे हमें हमारी जड़ों से जोड़ती है और भावी भविष्य के लिए इन्हें संरक्षित रखती है सभी को पुस्तकों को पढ़ने की अच्छी आदत का विकास करना चाहिए। इस मौके पर बच्चों को उपहार स्वरूप पुस्तक भेंट की गई मुख्य रूप से किसान नेता राजकुमार, रूपबास मास्टर ब्रह्म सिंह, मास्टर बालचंद, मास्टर हुकम सिंह, सृष्टि, भावना, फिरे फौजी आदि सम्मानित लोग उपस्थित रहे।

अनिल बसौया का हुआ भव्य स्वागत

नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय किसान यूनियन (भानू) के जिला उपाध्यक्ष बनने पर अनिल बैसोया का चौड़ा गांव में भव्य स्वागत किया गया। अनिल बेसोया ने कहा जो जिम्मेदारी मुझे मिली है मेरी मेहनत को देखते हुए मिली है। क्योंकि मैं किसानो की समस्याओं को सदेव उठाता रहता हूं और संगठन के साथ मिलकर गरीब लोगों की सहायता करता हूँ। ठाकुर भानु प्रताप सिंह के आशीर्वाद से मुझे ये जिम्मेदारी मिली है इसलिए जिला अध्यक्ष राजकुमार नागर जी ने मुझे जो जिम्मेदारी दी है मैं उसे बहुत ही इमानदारी से निभाऊंगा मीडिया प्रभारी सुभाष भाटी ने कहा किसानो की लड़ाई लड़ने के लिए किसान यूनियन भानु संघर्ष के लिए हर समय तैयार रहता है और समय समय पर किसानो के लिए आंदोलन करती रहती है। इस मौके पर नोएडा के अध्यक्ष राजवीर मुखिया सुभाष भाटी ऋषि अवाना राजकुमार मोनू सुनील अवाना अजय अधाना सचिन कालू अनिल एडवोकेट भीम आदि लोग उपस्थित रहे।

रोटरी क्लब ने मनाया तीज महोत्सव

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। रोटरी क्लब के पूर्व अध्यक्ष मानशी गोयल ने बताया कि हरियाली तीज महोत्सव व फ़ेलिसिटेशन प्रोग्राम रॉयल बैंकट् नॉलेज पार्क 3 में मनाया गया। हरियाली तीज महोत्सव में बच्चों द्वारा रंगारंग कार्यक्रम, महिलाओं द्वारा डान्स प्रतियोगिता, ग्रुप डान्स व अन्य प्रतियोगिता रखी गयी। जिसका सभी महिलाओं व बच्चों ने खूब आनंद उठाया।

पूर्व अध्यक्ष विनय गुप्ता ने बताया फ़ेलिसिटेशन प्रोग्राम में डिस्ट्रिक्ट गवर्नर नॉमिनी अमित गुप्ता जी का क्लब के सभी सदस्यों द्वारा बुका देकर व हार ओर माला पहनाकर स्वागत किया गया। व आश्वासन दिया गया उनके कार्यकाल में क्लब नई ऊंचाइयों को छुएगा। प्रोग्राम में दिल्ली से आए जादूगर ने अपनी जादू की कलाओ से सभी का मन मोह लिया।

प्रोग्राम में रिचा गर्ग, नीतू बंसल, प्रीति गर्ग, निधि गुप्ता, कुमकुम गुप्ता, मानसी गोयल , वंदना शर्मा, श्रुति सिंघल, विकास गर्ग, कपिल गुप्ता, मुकुल गोयल, राकेश सिंघल, विनय गुप्ता, कपिल शर्मा, मोहित बंसल, शुभम् सिंघल, कपिल गर्ग,राकेश शर्मा, अनिल चौधरी, मनीष मित्तल,शुभम् गोयल, नितिन चौहान, आदि सदस्य उपस्थित रहे।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने निकाली पांच आवासीय भूखंडों की योजना

- पांच भूखंड से 3718 वर्ग मीटर एरिया का आवंटन होगा
- पंजीकरण की अंतिम तिथि 2 सितंबर

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने पांच आवासीय भूखंडों की योजना निकाल दी है। ये भूखंड चाई थ्री व चाई फोर में स्थित हैं। ये भूखंड 524, 505, 639, 1026 और 1023 वर्ग मीटर के हैं। इन पांच भूखंडों से 3718 वर्ग मीटर जमीन आवंटित होगी और पांचों भूखंडों के आवंटित होने पर रिजर्व प्राइस के हिसाब से लगभग 17 करो? रुपये की प्राप्ति होगी।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के एसीईओ आशुतोष कुमार द्विवेदी ने बताया कि इन भूखंडों के लिए ऑनलाइन आवेदन (कल) शुक्रवार से शुरू हो जाएंगे। इसके ब्रोशर ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की वेबसाइट www.greaternoidaauthority.in पर उपलब्ध हैं। इनको डाउनलोड किया जा सकता है। इन भूखंडों के लिए एसबीआई पोर्टल https://etender.sbi के जरिए ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की वेबसाइट से भी इसका लिंक दिया गया है। इस योजना में पंजीकरण की अंतिम तिथि दो सितंबर हैं। पंजीकरण शुल्क, ईएमडी (अर्नेस्ट मनी डिपोजिट) और प्रोसेसिंग फीस 05 सितंबर और डॉक्यूमेंट सबमिट करने की अंतिम तिथि 09 सितंबर है। आवंटन होते ही इन भूखंडों पर पजेशन भी मिल जाएगा। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार का कहना है कि ग्रेटर नोएडा में ग्रीनरी एनसीआर में सबसे अधिक है। इंफ्रास्ट्रक्चर और कनेक्टीविटी के लिहाज से अन्य शहरों के मुकाबले ग्रेटर नोएडा बेहतर है। रिहायश के लिए ग्रेटर नोएडा बहुत बेहतर विकल्प है।

योजना में शामिल भूखंडों पर एक नजर

सेक्टर-- प्लॉट नंबर --एरिया
चाई थ्री --15ए --524
चाई फोर --9एन --505
चाई फोर --9पी --639
चाई फोर --105 --1026
चाई फोर --13एच-- 1023

ग्रेटर नोएडा में 7,500 करोड़ में पूरी होगी लॉजिस्टिक हब परियोजना

आईआईटीजीएनएल ने प्राइवेट डेवेलपर्स कंपनियों के साथ बैठक कर टेंडर पर लिए सुझाव

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। डीएमआईसी इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रियल टाउनशिप ग्रेटर नोएडा लिमिटेड (आईआईटीजीएनएल) की मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक हब (एमएमएलएच) परियोजना अपने मूर्त रूप में आने की तरफ एक कदम और बढ़ी है। परियोजना का विकास पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल पर किया जाना है।

इस परियोजना का टेंडर डॉक्यूमेंट फाइनल करने के लिए बृहस्पतिवार को मार्केट साउंडिंग बैठक बुलाई गयी जिसमे पब्लिक नोटिस के माध्यम से इक्षुक प्राइवेट डेवेलपर्स को आमंत्रित किया गया था। इस बैठक में देश के विभिन्न भागों से लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में कार्य करने वाली लगभग पंद्रह कंपनियों के प्रतिनिधि शामिल हुए। इनके साथ परियोजना का विकास करने हेतु प्राइवेट डेवेलपर के चयन हेतु टेंडर डॉक्यूमेंट पर चर्चा की गयी एवं इस संबंध में उनके सुझाव मांगे गए । इनके सुझावों को टेंडर डॉक्यूमेंट में शामिल कर आईआईटीजीएनएल की बोर्ड के समक्ष अनुमोदन हेतु रखा जाएगा। बोर्ड से अनुमोदन लेकर टेंडर डॉक्यूमेंट को भारत सरकार के अनुमोदनार्थ भेजा जाएगा। वहां से अनुमोदन के पश्चात् इस साल के अंत तक परियोजना के विकासकर्ता का चयन करने हेतु टेंडर जारी करने की तैयारी है।

दिल्ली मुंबई इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के अंतर्गत उद्योगों की माल ढुलाई की राह आसान बनाने के लिए आईआईटीजीएनएल की तरफ से ग्रेटर नोएडा के दादरी में मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक हब विकसित किया जा रहा है। नोएडा, ग्रेटर नोएडा व यमुना प्राधिकरण के उद्योगों की जरूरत को देखते हुए यह परियोजना बेहद अहम है।

मुंबई, गुजरात में स्थित पोर्ट पर वर्तमान में उद्योगों का माल जाने में चार से पांच दिन लगता है। इसके शुरू होने के बाद माल एक दिन में पहुंच सकेगा। इस परियोजना का विकास कार्य दो चरणों में होगा।

बाह्य कार्यों को आईआईटीजीएनएल द्वारा पूरा किया जाएगा, जिसमें डी एफ सी सी से रेल कनेक्टिविटी एवं आसपास के प्रमुख मार्गों से रोड कनेक्टीविटी आदि कार्य होंगे। वहीं आंतरिक विकास कार्यों को पूरा करने की जिम्मेदारी टेंडर प्राप्त करने वाली निजी कंपनी पर होगी। मएमएलएच में प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से करीब 50 हजार लोगों को रोजगार प्राप्त होंगे। बैठक में आईआईटीजीएनएल के एमडी एनजी रवि कुमार, निदेशक अन्नपूर्णा गर्ग और श्रीलक्ष्मी वीएस, महाप्रबंधक लीनू सहगल, सीएफओ अभिषेक जैन,एनआईसीडीसी के सीएफओ प्रदीप कुमार अग्रवाल और कई कंपनियों के प्रतिनिधि शामिल हुए।

रोडवेज की बस से दो लैपटॉप चोरी

नोएडा (चेतना मंच)। रोडवेज बस में भीड़ का फायदा उठाकर चोरों ने एक व्यक्ति के दो लैपटॉप चोरी कर लिए। पीड़ित ने थाना सेक्टर-63 में अज्ञात चोर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

मूल रूप से जयपुर के रहने वाले विमल रावत ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह नजीबाबाद बिजनौर से दिल्ली आने के लिए रोडवेज बस में बैठा था। बस में काफी भीड़ थी जब वह सेक्टर-62 के बस स्टॉप पर उतरा तो उसका बैग गायब था। बैग में दो लैपटॉप रखे हुए थे। पीड़ित के मुताबिक दोनों लैपटॉप में कंपनी की गोपनीय जानकारियां भी हैं।

पूर्वोत्तर रेलवे
ई–ऑक्शन सूचना
वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे, लखनऊ के द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई ऑक्शन से सम्बन्धित सूचना। एडमिन यूनिट / जोन:लखनऊ–पू.उ.रे.–मण्डल–वाणिज्य / पू.उ.रे. नीलामी सूची सं. / लॉट सं.:LJN-MA-EXT-INT नीलामी सूची प्रकाशन तिथि: 05.08.2024 समय 13:08 बजे नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट): 21.08.2024 समय 13:00 बजे नीलामी बन्द करने की तिथि व समय: 21.08.2024 समय 17:20 बजे नीलामी का प्रकार: Close Ended वेबसाइट विवरण जहाँ पंजीकृत बोलीदाताओं द्वारा नीलामी का पूरा विवरण देखा जा सकता है।: E-Auction Module of www.ireps.gov.in
वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबन्धक
मुजाधि / वाणिज्य–96 लखनऊ
ट्रेनों में बीड़ी / सिगरेट न पियें

ऑटो में बैठी सवारी का मोबाइल उड़ाया

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-63 क्षेत्र में ऑटो में सवार एक व्यक्ति की जेब से चोरों ने मोबाइल फोन चोरी कर लिया। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

चोटपुर कॉलोनी निवासी संदीप ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह 30 जुलाई को सेक्टर-63 से ऑटो के द्वारा बहरामपुर जा रहा था। उसने सेक्टर-63 के शनि मंदिर से ऑटो पकड़कर बहरामपुर पहुंचने पर उसे एहसास हुआ कि उसका मोबाइल फोन गायब है। उसने ऑटो को तलाशने का प्रयास किया लेकिन वह जा चुका था। संदीप के मुताबिक ऑटो में सवारी के रूप में बैठे किसी चोर ने उसका मोबाइल फोन चोरी किया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच-पड़ताल कर रही है।

पिछले दरवाजे से घुसे चोर, सामान साफ

नोएडा (चेतना मंच)। चोरों ने अलग-अलग स्थान पर चोरी की दो घटनाओं को अंजाम दिया है। चोर नगदी, जेवरात, मोबाइल फोन व अन्य सामान चोरी कर ले गए।

ग्रेटर नोएडा की दीवानी न्यायालय सोसाइटी में रहने वाले आशाराम ने बताया कि 4 अगस्त की रात्रि को वह परिवार सहित घर में सो रहे थे। गर्मी अधिक होने के कारण उन्होंने अपने कमरे का पिछला दरवाजा खुला छोड़ रखा था। रात्रि में अज्ञात चोरों ने उनके घर में घुसकर अलमारी में रखे 8 हजार रुपए, चांदी की पायजेब, तीन मोबाइल फोन व अन्य सामान चोरी कर लिया। सुबह उन्हें घर का सामान अस्त-व्यस्त मिला। थाना बीटा-2 प्रभारी ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है।

थाना फेस-1 में सेक्टर-19 निवासी रमेश कुमार ने दुकान में चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। रमेश कुमार ने बताया कि उनकी सेक्टर-5 हरौला में श्री श्याम कलैक्शन के नाम से कपड़े की दुकान है। 4 अगस्त को वह रात्रि में अपनी दुकान बंद कर चले गए। 5 अगस्त के सुबह जब वह दुकान पर पहुंचे तो उनकी दुकान के गल्ले में रखें 70 हजार रुपए गायब थे। पुलिस का कहना है कि रिपोर्ट दर्ज कर जांच पड़ताल की जा रही है।

दैनिक चेतना मंच
भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।
डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99
RNI No. 69950/98
स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।
संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी
Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

चोरी की 14 बाइक के साथ 3 दबोचे

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-49 पुलिस ने तीन वाहन चोरों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से चोरी के 14 वाहन बरामद हुए हैं। पकड़े गए आरोपियों ने वाहन चोरी की दर्जनों घटनाओं को अंजाम देने स्वीकार किया है।

थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस ने चेकिंग के दौरान बाइक पर आ रहे तीन युवकों को जांच के लिए रोका। पुलिस के मांगने पर युवक बाइक के कागजात नहीं दिखा पाए। संदेह के आधार पर की गई पूछताछ में युवकों ने स्वीकार किया कि उक्त बाइक चोरी की है। सख्ती से पूछताछ करने पर युवकों ने बताया कि वह वाहन चोरी की कई अन्य घटनाओं को अंजाम दे चुके हैं। इनकी निशानदेही पर चोरी की 13 बाइक व एक मोपेड बरामद हुई। थाना प्रभारी के मुताबिक पकड़े गए आरोपी शातिर वाहन चोर हैं और इन पर पूर्व में भी मुकदमे पंजीकृत हैं।

सानेहवाल - अमृतसर जं. सेक्शन पर ट्रैफिक ब्लॉक के कारण 'ट्रेन्स हैंडलिंग प्लान'

आधारभूत अवसंरचना को और बेहतर बनाने के उद्देश्य से उत्तर रेलवे द्वारा सानेहवाल – अमृतसर जं. सेक्शन के सानेहवाल स्टेशन पर प्री नॉन–इंटरलॉकिंग और नॉन–इंटरलॉकिंग कार्य किया जाएगा। इस कार्य के कार्यान्वयन हेतु दिनांक 13.08.2024 से 27.08.2024 तक उपयुक्त ट्रैफिक ब्लॉक्स लिये जायेंगे। परिणामस्वरूप, उपरोक्त अवधि के दौरान निम्नलिखित रेलगाडियाँ अस्थाई रूप से प्रभावित रहेंगी:–

रेलगाड़ियों का निरस्तीकरण

रेलगाड़ी संख्या एवं रेलगाड़ी का नाम	निरस्तीकरण की तिथि (याँ) (आरंभिक स्टेशन से)
12411/12412 चण्डीगढ़ – अमृतसर जं. – चण्डीगढ़ इंटरसिटी एक्सप्रेस	24.08.2024 से 26.08.2024 तक
14505 अमृतसर जं. – नंगल डैम एक्सप्रेस	14.08.2024 से 26.08.2024
22430 पठानकोट जं. – दिल्ली जं. एक्सप्रेस	14.08.2024 से 27.08.2024 (16.08.2024 एवं 23.08.2024 को छोड़कर)
22429 दिल्ली जं. – पठानकोट जं. एक्सप्रेस	13.08.2024 से 26.08.2024 (15.08.2024 एवं 22.08.2024 को छोड़कर)
04652 अमृतसर जं. – जयनगर स्पेशल	14.08, 16.08, 18.08, 21.08, 23.08 एवं 25.08.2024
04651 जयनगर – अमृतसर जं. स्पेशल	16.08, 18.08, 20.08, 23.08, 25.08 एवं 27.08.2024
04654 अमृतसर जं. – न्यू जलपाईगुड़ी जं. सुपरफास्ट स्पे.	14.08.2024 एवं 21.08.2024
04653 न्यू जलपाईगुड़ी जं. – अमृतसर जं. सुपरफास्ट स्पे.	16.08.2024 एवं 23.08.2024
12497/12498 नई दिल्ली – अमृतसर जं. – नई दिल्ली शान–ए–पंजाब एक्सप्रेस	20.08.2024 से 26.08.2024 तक
12242 अमृतसर जं. – चण्डीगढ़ एक्सप्रेस	24.08.2024 से 27.08.2024 तक
12241 चण्डीगढ़ – अमृतसर जं. एक्सप्रेस	23.08.2024 से 26.08.2024 तक
14614/14613 फिरोज़पुर कैंट – चण्डीगढ़ – फिरोज़पुर कैंट एक्सप्रेस	24.08.2024 से 26.08.2024 तक
14506 नंगल डैम – अमृतसर जं. एक्सप्रेस	14.08.2024 से 26.08.2024 तक
14503 कालका – श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा एक्सप्रेस	23.08.2024
14504 श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा – कालका एक्सप्रेस	24.08.2024
04579 अम्बाला कैंट – लुधियाना जं. एमईएमयू	14.08.2024 से 26.08.2024 तक
04504/04503 लुधियाना जं. – अम्बाला कैंट जं. – लुधियाना जं. एमईएमयू	14.08.2024 से 26.08.2024 तक
04582 लुधियाना जं. – अम्बाला कैंट जं. एमईएमयू	14.08.2024 से 26.08.2024 तक
04591/04592 लुधियाना जं. – छेहरटा – लुधियाना जं. एमईएमयू	14.08.2024 से 26.08.2024 तक
04690/04689 जलंधर सिटी जं. – अम्बाला कैंट जं .– जलंधर सिटी जं. डीएमयू	24.08.2024 से 26.08.2024 तक

रेलगाड़ियों का मार्ग परिवर्तन

रेलगाड़ी संख्या एवं रेलगाड़ी का नाम	परिवर्तित मार्ग (वाया)	मार्ग परिवर्तन तिथि (याँ) (आरंभिक स्टेशन से)
12357 कोलकाता टर्मिनल – अमृतसर जं. दुर्ग्याणा एक्सप्रेस	अम्बाला कैंट जं. – राजपुरा जं. – धूरी ज. – लुधियाना जं.	17.08, 20.08 एवं 24.08.2024
22125 नागपुर जं. – अमृतसर जं. एसी एक्सप्रेस	अम्बाला कैंट जं. – राजपुरा जं. – धूरी ज. – लुधियाना जं.	17.08.2024
12317 कोलकाता टर्मिनल – अमृतसर जं. अकाल तख़्त एक्सप्रेस	अम्बाला कैंट जं. – राजपुरा जं. – धूरी ज. – लुधियाना जं.	18.08.2024 एवं 25.08.2024
12549 दुर्ग जं. – शहीद कप्तान तुषार महाजन सुपरफास्ट एक्सप्रेस	अम्बाला कैंट जं. – राजपुरा जं. – धूरी ज. – लुधियाना जं.	20.08.2024
14617 पूर्णिया कोर्ट – अमृतसर जं. जनसेवा एक्सप्रेस	अम्बाला कैंट जं. – राजपुरा जं. – धूरी ज. – लुधियाना जं.	20.08, 23.08, 24.08 एवं 25.08.2024
14649 जयनगर – अमृतसर जं. सरयू यमुना एक्सप्रेस	अम्बाला कैंट जं. – राजपुरा जं. – धूरी ज. – लुधियाना जं.	20.08, 23.08 एवं 25.08.2024
12379 सियालदह – अमृतसर जं. जलियावाला बाग एक्सप्रेस	अम्बाला कैंट जं. – राजपुरा जं. – धूरी ज. – लुधियाना जं.	23.08.2024
14615 लाल कुआँ जं. – अमृतसर जं. एक्सप्रेस	अम्बाला कैंट जं. – राजपुरा जं. – धूरी जं. – लुधियाना जं.	24.08.2024
14673 जयनगर – अमृतसर जं. शहीद एक्सप्रेस	अम्बाला कैंट जं. – राजपुरा जं. – धूरी ज. – लुधियाना जं.	24.08.2024
14610 श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा – योग नगरी ऋषिकेश हेमकुण्ट एक्सप्रेस	लुधियाना जं. – सानेहवाल – राजपुरा जं. – अम्बाला कैंट जं.	24.08.2024 एवं 25.08.2024
14609 योग नगरी ऋषिकेश – श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा हेमकुण्ट एक्सप्रेस	अम्बाला कैंट जं. – राजपुरा जं. – सानेहवाल – लुधियाना जं.	24.08.2024 एवं 25.08.2024
14632 अमृतसर जं. – देहरादून एक्सप्रेस	लुधियाना जं. – सानेहवाल – राजपुरा जं. – अम्बाला कैंट जं.	24.08.2024 एवं 25.08.2024
14631 देहरादून – अमृतसर जं. एक्सप्रेस	अम्बाला कैंट जं. – राजपुरा जं. – सानेहवाल – लुधियाना जं.	24.08.2024 एवं 25.08.2024
11906 होशियारपुर – आगरा कैंट एक्सप्रेस	लुधियाना जं. – सानेहवाल – राजपुरा जं. – अम्बाला कैंट जं.	24.08.2024 एवं 25.08.2024
11905 आगरा कैंट – होशियारपुर एक्सप्रेस	अम्बाला कैंट जं. – राजपुरा जं. – सानेहवाल – लुधियाना जं.	24.08.2024 एवं 25.08.2024
12926 अमृतसर जं. – मुंबई सेन्ट्रल पश्चिम एक्सप्रेस	लुधियाना जं. – सानेहवाल – राजपुरा जं. – अम्बाला कैंट जं.	25.08.2024 एवं 26.08.2024
12925 मुंबई सेन्ट्रल – अमृतसर जं. पश्चिम एक्सप्रेस	अम्बाला कैंट जं. – राजपुरा जं. – सानेहवाल – लुधियाना जं.	23.08.2024 एवं 24.08.2024
18102 जम्मू तवी – टाटानगर जं. एक्सप्रेस	लुधियाना जं. – सानेहवाल – राजपुरा जं. – अम्बाला कैंट जं.	24.08.2024
18310 जम्मू तवी – संबलपुर एक्सप्रेस	लुधियाना जं. – सानेहवाल – राजपुरा जं. – अम्बाला कैंट जं.	25.08.2024
18101 टाटानगर – जम्मू तवी एक्सप्रेस	अम्बाला कैंट जं. – राजपुरा जं. – सानेहवाल – लुधियाना जं.	23.08.2024
18309 संबलपुर – जम्मू तवी एक्सप्रेस	अम्बाला कैंट जं. – राजपुरा जं. – सानेहवाल – लुधियाना जं.	24.08.2024

रेलगाड़ियों का आंशिक निरस्तीकरण

रेलगाड़ी सं. एवं रेलगाड़ी का नाम	स्टेशन जहां रेलगाड़ी यात्रा समाप्त/प्रारंभ करेगी	आंशिक निरस्तीकरण की तिथियां (प्रारंभिक स्टेशन से)
14630 लुधियाना जं. – चण्डीगढ़ सतलुज एक्सप्रेस	लुधियाना जं. पर	13.08.2024 से 25.08.2024
22551 दरभंगा जं. – जलंधर सिटी जं. अंत्योदय एक्सप्रेस	अम्बाला कैंट जं. पर	24.08.2024
15531 सहरसा जं. – अमृतसर जं. जनसाधारण एक्सप्रेस	चण्डीगढ़ पर	18.08.2024 एवं 25.08.2024
14629 चण्डीगढ़ – फिरोजपुर कैंट जं. सतलुज एक्सप्रेस	लुधियाना जं. से	14.08.2024 से 26.08.2024
22552 जलंधर सिटी जं. – दरभंगा जं. अंत्योदय एक्सप्रेस	अम्बाला कैंट जं. से	25.08.2024
15532 अमृतसर जं. – सहरसा जं. जनसाधारण एक्सप्रेस	चण्डीगढ़ से	19.08.2024 एवं 26.08.2024

रोककर चलाई जाने वाली रेलगाड़ियाँ

रेलगाड़ी सं. एवं रेलगाड़ी का नाम	विनियमित रेलगाड़ी
12920 श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा – डॉ. अम्बेडकर नगर मालवा एक्सप्रेस	रेलगाड़ी दिनांक 26.08.2024 को फिरोजपुर कैंट स्टेशन पर 125 मिनट रोक कर चलाई जाएगी।
14650 अमृतसर जं. – जयनगर सरयू यमुना एक्सप्रेस	रेलगाड़ी दिनांक 26.08.2024 को फिरोजपुर कैंट स्टेशन पर 105 मिनट रोक कर चलाई जाएगी।
12476 श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा – हापा एक्सप्रेस	रेलगाड़ी दिनांक 26.08.2024 को फिरोजपुर कैंट स्टेशन पर 80 मिनट रोक कर चलाई जाएगी।

रेलयात्रियों से अनुरोध है कि किसी भी जानकारी के लिए रेलमदद हेल्पलाइन सं. 139 पर संपर्क करें अथवा रेलवे की वेबसाइट https://enquiry.indianrail.gov.in अथवा NTES ऐप देखें।

आज़ादी का अमृत महोत्सव
उत्तर रेलवे
सदैव आपकी सेवा में
हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें
पर हमें फॉलो करें
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

खास खबर

सीगल इंडिया का शेयर निर्गम 4.50 फीसदी तेजी के साथ सूचीबद्ध

नई दिल्ली। ढांचागत क्षेत्र की कंपनी सीगल इंडिया का शेयर गुरुवार को 401 रुपये के निर्गम मूल्य से लगभग 4.50 प्रतिशत तेजी के साथ सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर शेयर ने 413 रुपये पर कारोबार शुरू किया, जो निर्गम मूल्य से 2.99 प्रतिशत की बढ़त दिखाता है। बाद में यह 5.98 फीसदी बढ़कर 425 रुपये पर पहुंच गया। एनएसई पर यह 4.48 प्रतिशत की बढ़त के साथ 419 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। कंपनी का शुरूआती कारोबार में बाजार मूल्यांकन 7,107.56 करोड़ रुपये रहा। सीगल इंडिया के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को बीते सोमवार को 13.75 गुना अभिदान मिला था। 1252.66 करोड़ रुपये के आईपीओ के लिए 380-401 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया गया था। वर्ष 2002 में स्थापित सीगल इंडिया का निर्गम खुलने के पहले कंपनी ने प्रमुख (एंकर) निवेशकों से 375 करोड़ रुपये जुटाए थे।

पेटीएम के शेयरों से बड़े रईसों को नुकसान

नई दिल्ली। पेटीएम के शेयरों ने रिटेल निवेशकों के अलावा बड़े संस्थागत निवेशकों को भी निवेश पर भारी नुकसान उठाना पड़ा। जापानी टेक्नोलॉजी ग्रुप ने बताया कि सॉफ्टबैंक के विजन फंड 1 को पेटीएम में निवेश करना बड़ा महंगा पड़ा। इस संस्था ने पेटीएम में 13000 करोड़ से ज्यादा का निवेश किया था और उसे अपनी पूरी हिस्सेदारी बेचने के बाद 4500 करोड़ रुपये का घाटा दर्ज किया। सॉफ्टबैंक ने पेटीएम की पैरेंट कंपनी वन97 कम्युनिकेशन में अपनी पूरी हिस्सेदारी जून तिमाही में बेच दी। साल 2021 में सॉफ्टबैंक के पास पेटीएम में लगभग 18.5 फीसदी हिस्सेदारी थी। कंपनी का आईपीओ आने से पहले सॉफ्टबैंक ने पेटीएम में स्टैक 800 रुपये प्रति शेयर के भाव पर लिया था, जबकि पेटीएम का शेयर 1,955 रुपये के भाव पर लिस्ट हुआ था लेकिन लिस्टिंग के बाद लगातार पेटीएम के शेयर में गिरावट आई। वहीं इस साल जनवरी में आरबीआई के प्रतिबंधों के कारण पेटीएम के शेयर 350 रुपये के ?निचले स्तर पर पहुंच गए थे। वहीं इंश्योरेंस एग्रीगेटर, पॉलिसी बाजार में निवेश सॉफ्टबैंक विजन फंड 1 के लिए फायदेमंद रहा।

चीन के टेक्नीशियनों के व्यापार वीजा में तेजी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने भारत में विनिर्माण परियोजनाओं से जुड़े चीन के टेक्नीशियनों का व्यापार वीजा तय समय में मंजूर करने के लिए एक व्यवस्था शुरू कर दी है। चीन और दूसरे सीमावर्ती देशों के टेक्नीशियनों के लिए व्यापार वीजा की सरल व्यवस्था 1 अगस्त से लागू कर दी गई है। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने कहा कि गृह मंत्रालय द्वारा जारी दिशानिदेर्शों के अनुसार किसी कंपनी से मिला ई-वीजा का आवेदन मंजूरी के लिए विदेश मंत्रालय और सुरक्षा एजेंसियों सहित संबंधित सरकारी विभागों को भेजा जाएगा। उन्होंने कहा कि गृह मंत्रालय के पास जवाब 28 दिनों के भीतर आ जाना चाहिए। यह वीजा छह महीने के लिए वैध होगा। सरकार के इस कदम से उन कंपनियों को राहत मिलेगी, जिन्होंने 14 अहम क्षेत्रों में निवेश किया है। सरकार ने इस क्षेत्रों में विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजनाएं शुरू की हैं।

ब्लू स्टार लिमिटेड का पहली तिमाही में लाभ 83.37 करोड़

मुंबई। एयर कंडीशनर (एसी) और वाणिज्यिक रेफ्रिजरेशन प्रणाली बनाने वाली कंपनी ब्लू स्टार लिमिटेड का चालू वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ दोगुना होकर 168.76 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी का पिछले वित्त वर्ष 2023-24 की पहली (अप्रैल-जून) तिमाही में शुद्ध लाभ 83.37 करोड़ रुपए था। समीक्षाधीन अवधि में कंपनी की परिचालन आय 28.72 प्रतिशत बढ़कर 2,865.37 करोड़ रुपए हो गई जो एक साल पहले इसी तिमाही में 2,222.60 करोड़ रुपए थी। अप्रैल-जून तिमाही में ब्लू स्टार का कुल खर्च 25.51 प्रतिशत बढ़कर 2,663.20 करोड़ रुपए हो गया। कुल आय 29.24 प्रतिशत बढ़कर 2,889.14 करोड़ रुपए हो गई।

रिलायंस ने 1 साल में 1.86 लाख करोड़ का टैक्स जमा कराया

यह टैक्स पिछले साल के मुकाबले 9 हजार करोड़ रुपए से अधिक है

एजेंसी

नई दिल्ली। देश के प्रमुख रईस उद्योगपतियों में से एक मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज ने वित्त वर्ष 2023-24 में कुल 1,86,440 करोड़ का टैक्स सरकार के खजाने में टैक्स के तौर पर जमा कराया है। यह पिछले साल के मुकाबले 9 हजार करोड़ रुपए से अधिक है। कंपनी की सालाना वार्षिक रिपोर्ट में यह बात सामने आई। देश की अर्थव्यवस्था में रिलायंस का योगदान काफी अहम रहा है। ?वित्त वर्ष 2023-24 में 20 लाख करोड़ के बाजार पूंजीकरण का आंकड़ा पार करने वाली रिलायंस भारत की पहली कंपनी बन गई है। कोई दूसरी

कंपनी यह आंकड़ा अब तक नहीं छू पाई है। पिछले वित्त वर्ष की तुलना में यह 27 फीसदी का उछाल है। मार्केट कैपिटालाइजेशन के मामले में रिलायंस दुनिया की 48 वीं कंपनी है। वहीं कंसोलिडेटेड रेवेन्यू में भी रिलायंस ने 10 लाख करोड़ के मुकाम को पार कर लिया है। निर्यात में भी रिलायंस देश की रीढ़ मजबूत कर रहा है। पिछले वित्त वर्ष में रिलायंस ने करीब 3 लाख करोड़ रुपए का निर्यात किया। निर्यात ही नहीं देश में पूंजीगत परिसंपत्तियों के निर्माण में भी रिलायंस निजी क्षेत्र के सबसे बड़े योगदानकताओं में से एक है। वार्षिक रिपोर्ट के मुताबिक रिलायंस ने वित्त वर्ष 2023-24 में 1 लाख 35 हजार करोड़ से अधिक का निवेश किया। रिलायंस के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक मुकेश अंबानी ने वार्षिक रिपोर्ट में कहा, पिछले दशक में वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में भारत का महत्व कई गुना बढ़ गया है। अस्थिरता और अनिश्चितता की इस दुनिया में, भारत स्थिरता और समृद्धि के प्रतीक के रूप में चमक रहा है। सभी क्षेत्रों में मजबूत विकास 140 करोड़ भारतीयों के सामूहिक प्रयास का नतीजा है। भारत और भारतीयता की यही भावना रिलायंस को निरंतर इनोवेशन करने और हर उद्यम में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रेरित करती है। रिलायंस परिवार के लिए भारत के विकास की कहानी का हिस्सा बनना और इसकी शानदार वृद्धि में योगदान देना गर्व की बात है। समाज के लिए अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए कंपनी ने सोशल रिस्पांसिबिलिटी की मदद में कुल 1,592 करोड़ रुपए खर्च किए। इससे पिछले वित्त वर्ष के मुकाबले यह 300 करोड़ अधिक हैं। मुनाफा कमाने में भी कंपनी अव्वल रही। वित्त वर्ष 2023-24 में टैक्स के बाद लाभ 79 हजार करोड़ से अधिक रहा। यह पिछले वित्त वर्ष से 7.3 प्रतिशत अधिक रहा पिछले बार यह 73 हजार 670 करोड़ था।

पेट्रोल और डीजल के भाव कई राज्यों में बढ़े

नई दिल्ली। भारत में पेट्रोल-डीजल की कीमतें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल के दाम पर आधारित होती हैं। भारतीय ऑयल मार्केटिंग कंपनियां अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड ऑयल के आधार पर कीमतों की समीक्षा के बाद रोज पेट्रोल और डीजल के भाव दाम तय करती हैं। जिसके बाद हर सुबह 6 बजे सरकारी तेल कंपनियां पेट्रोल और डीजल का नए भाव अपडेट करती है। ऐसे ही तेल कंपनियों ने गुरुवार को पेट्रोल-डीजल की नई दरें जारी कर दी है। गौरतलब है कि राज्य स्तर पर पेट्रोल- डीजल के भाव बदल गए हैं। इसके तहत कुछ राज्यों में कीमतें कम हुई हैं, कुछ में बढ़ी हैं और कई में स्थिर रहीं हैं। नोएडा में पेट्रोल 94.83 रुपये और डीजल 87.96 रुपये प्रति लीटर, गुरुग्राम में पेट्रोल 95.19 रुपये और डीजल 88.05 रुपये प्रति लीटर, बेंगलुरु में पेट्रोल 102.86 रुपये और डीजल 88.94 रुपये प्रति लीटर, चंडीगढ़ में पेट्रोल 94.24 रुपये और डीजल 82.40 रुपये प्रति लीटर, हैदराबाद में पेट्रोल 107.41 रुपये और डीजल 95.65 रुपये प्रति लीटर, जयपुर में पेट्रोल 104.88 रुपये और डीजल 90.36 रुपये।

विदेशी हैकर्स ने की 2000 करोड़ की क्रिप्टो करंसी चोरी

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के क्रिप्टो एक्सचेंज प्लैटफार्म वजीर एक्स के मल्टीसिग वॉलेट पर एक बड़े साइबर अटैक के मामले की जानकारी मिली है। विदेशी हैकर्स ने लगभग दो हजार करोड़ के क्रिप्टो कॉइन चोरी कर लिए। इस मामले में वजीर एक्स की तरफ से दिल्ली पुलिस में शिकायत की गई। 2000 करोड़ का मामला होने की वजह से स्पेशल सेल की आईएफएसओ (इंटेलिजेंस फ्यूजन एंड स्ट्रैटेजिक ऑपरेशन) यूनिट ने शिकायत के आधार पर भारतीय न्याय संहिता और आईटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इस साइबर हमले के पीछे उत्तर कोरिया के

हैकर्स का हाथ बताया जा रहा है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक 18 जुलाई को अब तक की सबसे बड़ी क्रिप्टो कॉइन चोरी की यह वारदात हुई थी। हैकर्स ने लगभग 230 मिलियन डॉलर के क्रिप्टो हैक करके चोरी कर लिए थे। वजीर एक्स पर सबसे अधिक भारतीय यूजर हैं, ऐसे में सीधे तौर पर उन्हें वित्तीय नुकसान हुआ। इस घटना के बाद क्रिप्टो यूजर्स में हड़कंप मचा हुआ था। उन्होंने इस घटना के लिए वजीर एक्स पर भी सवाल खड़े किए। वजीर एक्स पर क्रिप्टो होल्डर ने बताया कि हैकिंग के इतने दिनों बाद लोगों को पैसा जबरन ब्लॉक कर लिया गया है। एक्सजेंच पूरी तरह से बंद है। आरोप है कि क्रिप्टो चोरी तकनीकी तौर पर कंपनी की लापरवाही की वजह से हुई। दरअसल, सूत्रों ने बताया कि वजीर एक्स एक क्रिप्टो करेंसी एक्सचेंज है और वो अपने सारे फंड्स सिक्योर वॉलेट्स में स्टोर करते थे, लेकिन कुछ हैकर्स ने वॉलेट्स को ही हैक कर दिया। यह बहुत ही शातिराना तरीके से किया गया। साइबर अटैकर ने वहां से सारा पैसा ड्रेन आउट कर दिया।

गैलेक्सी जेड फोल्ड6 और गैलेक्सी जेड फ्लिप6 को शानदार रिस्पॉन्स मिला

रांची। भारत के सबसे बड़े इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, सैमसंग ने घोषणा की कि जो ग्राहक भारत में गैलेक्सी जेड फोल्ड6 और गैलेक्सी जेड फ्लिप6 के लिए प्री-बुकिंग कर चुके हैं, उन्हें समय से पहले डिलीवरी मिलेगी। गैलेक्सी जेड फोल्ड6 और गैलेक्सी जेड फ्लिप6 ने पिछले फोल्डेबल फोन्स की तुलना में सिर्फ 24 घंटों में 40% ज्यादा प्री-ऑर्डर हासिल किए हैं। गैलेक्सी जेड फोल्ड6 और गैलेक्सी जेड फ्लिप6 के लिए प्री-ऑर्डर भारत और बाकी दुनिया में 10 जुलाई को शुरू हुए। ये नए स्मार्टफोन 24 जुलाई, 2024 से भारत में बिक्री के लिए उपलब्ध होंगे।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

एजेंसी

मुम्बई। घरेलू शेयर बाजार में गुरुवार को गिरावट दर्ज की गयी है। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई हैं। भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) द्वारा लगातार नौवीं बार रीपो रेट को 6.5 फीसदी पर बनाये रखने के फैसले से भी बाजार पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है। इससे 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी नीचे आया। सेंसेक्स 581.79 अंक करीब 0.73 फीसदी फिसलकर 78,886.22 पर बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर एनएसई निफ्टी 180.50 अंक तकरीबन 0.74 फीसदी नीचे आकर 24,117.00 पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स के शेयरों में से 7 शेयर लाभ के साथ ही हरे निशान पर बंद हुए। टाटा मोटर्स, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईटीसी

और इंडसइंड बैंक सेंसेक्स के सबसे अधिक लाभ वाले शेयर रहे। इसके अलावा, सन फार्मा और एक्सिस बैंक के शेयर भी ऊपर आये। दूसरी ओर सेंसेक्स के 23 शेयर गिरावट पर बंद हुए। एशियन पेंट्स, इंफोसिस, पावर ग्रिड, एलएंडटी और अल्ट्राटेक सीमेंट सेंसेक्स के शीर्ष-5 सबसे अधिक नुकसान वाले शेयर रहे। इसके अलावा एचसीएल टेक, जेएसडब्लयू स्टील, टाटा स्टील, एनटीपीसी, बजाज फिनसर्व, अदाणी पोर्ट्स, नेस्ले इंडिया, मारुति, रिलायंस, टाइटन, बजाज फाइनैंस, टीसीएस, आईसीआईसीआई बैंक, एचयूएल, कोटक बैंक, टेक महिंद्रा, एसबीआई और एमएंडएम के शेयर गिरे हैं। आरबीआई के फैसले के बाद आज सुबह बाजार की शुरूआत नकारात्मक रही। बीएसई सेंसेक्स 181 अंक गिरकर 79,286 पर आ गया। वहीं निफ्टी 56 अंक गिरकर 24,240 पर पहुंच गया।

इंडियन बैंक, अंचल कार्यालय में जमा संग्रहण रोड शो का आयोजन

एजेंसी

रांची। इंडियन बैंक के 118 वां स्थापना दिवस के अवसर पर अंचल कार्यालय, राँची द्वारा रोड शो का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य इंडियन बैंक के विभिन्न उत्पाद से सभी को अवगत कराना है। इसके लिए बैनर, पोस्टर एवं लीफलेट द्वारा इंडियन बैंक के विभिन्न ऋण, जमा एवं डिजिटल उत्पाद - इंड स्मार्ट, इंटरनेट बैंकिंग, क्यू आर कोड इत्यादि का प्रचार किया गया। इस रोड में अंचल प्रबंधक, राम स्वरूप सरकार ; उप अंचल प्रबंधक विजेंद्र सिंह मलिक; सहायक महाप्रबंधक प्रभाकर कुमार एवं सहायक महाप्रबंधक दिलीप कुमार सरकार की उपस्थिती में राँची अंचल एवं राँची के शाखाओं के मुख्य प्रबंधकगण एवं स्टाफ सदस्यों ने भाग लिया।

1,500 भक्तों ने डमरू बजाकर गिनीज रिकॉर्ड बनाया

एजेंसी

रांची। श्रावण मास के पावन महीने में 1,500 भक्तों ने उज्जैन के शक्ति पथ महाकाल लोक में एक साथ डमरू बजाकर एक नया गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड स्थापित किया। यह आयोजन सोमवार को सुबह 11:30 बजे श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंधन समिति और मध्य प्रदेश सरकार के सांस्कृतिक मामलों के विभाग द्वारा आयोजित किया गया था।गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स ने स्थल पर आधिकारिक घोषणा कर इस अद्वितीय कीर्तिमान को मान्यता दी। रिकॉर्ड बनाने के इस प्रयास की परिकल्पना और

क्रियान्वयन विश्व रिकॉर्ड सलाहकार निश्चल बरोट द्वारा किया गया, जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए सभी मानदंड पूरे किए गए हैं।ऐसी मान्यता है कि डमरू को भगवान शिव द्वारा बनाया गया था। ऐसा भी माना जाता है कि इस पवित्र वाद्य यंत्रसे उत्पन्न हुई आध्यात्मिक ध्वनियों द्वारा ब्रह्मांड का निर्माण और नियमन हुआ था। इस वाद्य यंत्र को सामूहिक रूप से बजाने से इस आयोजन में गहन आध्यात्मिक महत्ता जुड़ गई।इस अवसर पर राज्यसभा सांसद उमेशनाथ जी महाराज, सांसद अनिल फिरोजिया, उज्जैन उत्तर विधायक अनिल कालूहेड़ा, घट्टिया विधायक सतीश मालवीय, उज्जैन के महापौर मुकेश टटवाल, उज्जैन नगर निगम अध्यक्ष श्रीमती कलावती यादव, नगर जिला अध्यक्ष विवेक जोशी और उज्जैन उत्तर विधानसभा संयोजक जगदीश पांचाल सहित अनेक गणमान्य लोगों ने अपनी उपस्थिति से इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।यह रिकॉर्ड-निर्माण आयोजन ने न केवल उज्जैन की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत को उजागर किया बल्कि भक्ति और परंपरा की सामूहिक अभिव्यक्ति के लिए लोगों को साथ लाया।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 675 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकान्त दास ने कहा कि देश का विदेशी मुद्रा भंडार दो अगस्त को 675 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। इससे पहले इस वर्ष 19 जुलाई को मुद्रा भंडार का उच्चतम स्तर 670.85 अरब अमेरिकी डॉलर रहा था। इसके बाद 26 जुलाई को यह 667.38 अरब डॉलर रहा था। दास ने कहा कि कुल मिलाकर देश का बाह्य क्षेत्र जुझारू बना हुआ है, जैसा कि प्रमुख संकेतकों में सुधार से पता चलता है। मौद्रिक नीति की समीक्षा के बाद दास ने कहा ?कि हमें अपनी बाह्य वित्तपोषण आवश्यकताओं को आराम से पूरा करने का विश्वास है।

यूपीआई से भुगतान की सीमा एक लाख से बढ़कर पांच लाख हुई

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने यूपीआई के जरिये कर भुगतान की सीमा एक लाख रुपए से बढ़ाकर पांच लाख बढ़ाने की गुरुवार को घोषणा की। आरबीआई के गवर्नर शक्तिकान्त दास ने मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की मंगलवार को शुरू हुई तीन दिन की बैठक में लिए गए निर्णय की जानकारी देते हुए कहा कि यूपीआई अपनी सहज सुविधाओं से भुगतान का सबसे पसंदीदा तरीका बन गया है। वर्तमान में यूपीआई के लिए कर भुगतान की सीमा एक लाख रुपये है। विभिन्न उपयोग-मामलों के आधार पर, रिजर्व बैंक ने समय-समय पर पूंजी बाजार, आईपीओ

अभिदान, ऋण संग्रह, बीमा, चिकित्सकीय और शैक्षिक सेवाओं आदि जैसी कुछ श्रेणियों के लिए सीमाओं की समीक्षा की है और उन्हें बढ़ाया है। चूंकि प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष कर भुगतान सामान्य, नियमित तथा उच्च मूल्य के हैं। इसलिए यूपीआई के जरिये कर भुगतान की सीमा को एक लाख रुपये से बढ़ाकर पांच लाख प्रति लेनदेन करने का निर्णय लिया गया है। इस संबंध में आवश्यक निर्देश अलग से जारी किए जाएंगे। आरबीआई के अनुसार यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) का उपयोगकर्ता आधार 42.4 करोड़ हो गया है। हालांकि, उपयोगकर्ता आधार के और विस्तार की संभावना है। यूपीआई में डेलिगेटेड पेमेंट्स शुरू करने का भी प्रस्ताव है। दास ने कहा कि डेलिगेटेड पेमेंट्स से एक व्यक्ति (प्राथमिक उपयोगकर्ता) को प्राथमिक उपयोगकर्ता के बैंक खाते पर किसी अन्य व्यक्ति (द्वितीयक उपयोगकर्ता) के लिए यूपीआई लेनदेन सीमा निर्धारित करने की अनुमति मिलेगी। इससे देशभर में डिजिटल भुगतान की पहुंच और उपयोग में वृद्धि होने की उम्मीद है। इस संबंध में भी विस्तृत निर्देश जल्द ही जारी किए जाएंगे।

कार्मेल स्कूल में पर्यावरण संरक्षण पर सेमिनार आयोजित

रांची। गुरुवार को कार्मेल स्कूल सामलोंग में शिक्षको के लिए पर्यावरण संरक्षणपर सेमीनार का आयोजन किया गया। डॉ. सिस्टर डोरिस डी. सूजा (भूतपूर्व प्रधानाचार्या कार्मेल विमेंस कॉलेज पटना एवं पर्यावरण विद्) ने प्रकृति के रचयिता परम पिता ईश्वर को जीवन का एकमात्र स्रोत बताते हुए, आध्यात्मिकता से जुड़कर, अपने सकारात्मक एवं भावनात्मक विचारों एवं प्रयासों से पर्यावरण को बचाने और उससे प्यार करने पर विशेष जोर दिया और पर्यावरण संरक्षण की अपील की जिससे आने वाली पीढ़ियों के लिए हम प्रकृति प्रदत्त वस्तुओं को बचा सकें और उन्हे भी पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित कर सकें। सेमीनर के अंत में स्मृति चिह्न के रूप में उन्होंने उपस्थित सभी शिक्षको को आम पत्ती भेंट की।

महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री से मिले किसान नेता

अधिग्रहण के बदले 10 फीसदी विकसित भूखंड को लेकर सौंपा ज्ञापन

नोएडा (चेतना मंच)। अधिग्रहण के बदले किसानों को 10 फीसदी विकसित जमीन देने को लेकर भारतीय किसान यूनियन मंच के पदाधिकारियों ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष शरद पंवार से मुलाकात की। शरद पंवार ने बैठक करके प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि वे किसानों के इस हक को दिलाने के लिए संघर्ष करेंगे। इस दौरान भाकियू मंच के अध्यक्ष सुधीर कुमार चौहान ने श्री पंवार को ज्ञापन भी सौंपा।

मंच के मीडिया प्रभारी अशोक चौहान ने बताया कि करार के मुताबिक अभी तक किसानों को जमीन अधिग्रहण के बदले 10 फीसदी विकसित भूखंड नहीं दिया गया। कृषि योग्य भूमि को आवासीय बताकर प्राधिकरण अभी भी गलत तरीके से किसानों की जमीनें अधिग्रहण कर रहा है तथा पुरानी अधिग्रहण की शर्तों को पूरा नहीं किया जा रहा है। इससे किसानों में काफी असंतोष है।

खेतों में लगी 6 ट्यूबवेल चोरी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना दनकौर क्षेत्र के ग्राम जगनपुर अफजलपुर में चोरों ने 6 किसानों के खेत में लगी ट्यूबवेल से मोटर चोरी कर ली। चोरी की इस घटना से ग्रामीणों में खासा रोष व्याप्त है।

ग्राम जगनपुर अफजलपुर निवासी गजराज ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि 4 अगस्त की रात्रि को अज्ञात चोरों ने उसके खेत में लगी ट्यूबवेल से मोटर चोरी कर ली। इसके अलावा गांव के ही महीचंद, रोहतास, राजपाल, वेदपाल, नीलम के खेत में लगी ट्यूबवेल से मोटर चोरी कर ली। चोरों ने गांव के ही लीला के प्लॉट से लोहे की प्लेट भी चोरी कर ली।

पृष्ठ एक के शेष....

भाजपा का हर घर...

इसी को लेकर आज पार्टी कार्यालय पर एक बैठक की जाएगी। इस बैठक में भारतीय जनता पार्टी के पश्चिमी उत्तर प्रदेश के क्षेत्रीय अध्यक्ष सतेन्द्र सिसोदिया कार्यकर्ताओं तथा पदाधिकारियों को घर-घर तिरंगा अभियान की जानकारी देंगे तथा प्रदेश कार्यालय से जारी कार्यक्रम के अनुपालन को लेकर संबोधित करेंगे।

बैठक में सांसद डॉ. महेश शर्मा, विधायक पंकज सिंह, नोएडा महानगर की टीम तथा सभी प्रकोष्ठों के पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बता दें कि 11-12 तथा 13 अगस्त को भाजपा युवा मोर्चा के नेतृत्व में प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में तिरंगा यात्रा का आयोजन होगा। 12-14 अगस्त तक महापुरूषों की प्रतिमाओं व स्मारकों के आसपास स्वच्छता कार्यक्रम चलाया जाएगा। 13-15 अगस्त तक महापुरूषों एवं भारत माता के वीर सपूतों की प्रतिमाओं व स्मारकों पर माल्यार्पण किया जाएगा।

खास खबर

कोकीन खरीदते पकड़ा गया ऑस्ट्रेलियाई हॉकी खिलाड़ी

पेरिस । पेरिस ओलंपिक में कोकीन खरीदने में लगे एक ऑस्ट्रेलियाई हॉकी खिलाड़ी को पुलिस ने पकड़ा है। अभियोक्ता कार्यालय के अनुसार ऑस्ट्रेलियाई हॉकी टीम के एक सदस्य को तब हिरासत में लिया गया जब वह एक इमारत के बाहर ड्रग्स खरीदने का प्रयास कर रहा था। जांच के लिए यह मामला पुलिस की ड्रग रोधी इकाई को सौंप दिया गया है। ऑस्ट्रेलियाई हॉकी खिलाड़ी के साथ ही ड्रग्स बेचने वाले को भी पुलिस ने पकड़ा है। इसको लेकर ऑस्ट्रेलियाई ओलंपिक समिति ने अपने एक बयान में कहा कि कोई भी आरोप दायर नहीं किया गया है। साथ ही कहा कि इस खिलाड़ी की सभी प्रकार से सहायता की जाएगी। ऑस्ट्रेलियाई अधिकारियों और पेरिस ओलंपिक के अभियोक्ताओं ने इस खिलाड़ी के नाम को सार्वजनिक नहीं किया है।

एथलीट ने ब्यॉयफ्रेंड को शादी के लिए किया प्रपोज

पेरिस । यहां पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण जीतने के बाद जहां चीनी खिलाड़ी हुआंग या कियोंग को शादी का प्रस्ताव मिला है। वहीं अब फ्रांस की एथलीट एलिस फिनोट ने 3000 मीटर स्टीपलचेज दौड़ पूरा करने के बाद अपने ब्वॉयफ्रेंड को शादी का प्रस्ताव दिया। फिनोट हालांकि पदक हासिल नहीं कर पायी थी। यह खिलाड़ी पदक हासिल करने से दूर रह गई पर 9 मिनट से कम समय में दौड़ पूरी कर उसने यूरोपीय रिकार्ड जरुर तोड़ दिया। फिनोट फाइनल रेस को पूरा करने के बाद अपने ब्वॉयफ्रेंड के पास जा पहुंची। उन्होंने दर्शकों के बीच बैठे अपने ब्वॉयफ्रेंड को शादी के लिए प्रपोज किया। शादी का रिंग निकालकर वो सामने बैठी और शादी का प्रस्ताव दिया। फिनोट ने कहा कि उन्होंने पहले ही सोच लिया था अगर वह 9 मिनट में रेस पूरा कर लेती हैं तो ब्वॉयफ्रेंड को प्रपोज करेंगी। 3000 मीटर स्टीपलचेज में पदक के लिए उतरने वाली इस स्टार ने कहा, मैंने पहले ही सोच लिया था, अगर मैं 9 मिनट में रेस को पूरा कर लेती हूं, तो ब्वॉयफ्रेंड को प्रपोज करूंगी क्योंकि 9 नंबर मेरा लकी नंबर है।

अफगानिस्तान के क्रिकेटर पर प्रतिबंध

इस्लामाबाद । अफगानिस्तान के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर इहसानुल्लाह जन्नत अब अगले पांच साल तक खेल नहीं पायेंगे। जन्नत को मैच फिक्सिंग का आरोपी पाया गया है। ऐसे में अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) ने उन्हें खेल के सभी प्रारुपों से बाहर कर दिया है। एसीबी ने कहा कि बल्लेबाज जन्नत ने इस साल काबुल प्रीमियर लीग के दूसरे सत्र के दौरान आईसीसी की भ्रष्टाचार निरोधक आचार संहिता को तोड़ा है। एसीबी ने कहा, जन्नत को आईसीसी भ्रष्टाचार निरोधक संहिता के अनुच्छेद 2.1.1 का उल्लंघन करने का दोषी पाया गया है और इस कारण वह क्रिकेट से जुड़ी किसी भी गतिविधि में शामिल नहीं हो पाएगा। साथ ही कहा कि इस क्रिकेटर ने अपनी अपने लगे आरोपो को स्वीकार कर लिया है। इस कारण इस मामले में अब आगे सुनवाई की जरुरत नहीं है। जन्नत अफगानिस्तान के पूर्व क्रिकेट कप्तान नवरोज मंगल के भाई है।

विनेश फोगाट ने कुश्ती से लिया संन्यास, कहा

कुश्ती जीती, मैं हार गई

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय पहलवान विनेश फोगाट ने पेरिस ओलंपिक में कठिन अनुभव के बाद कुश्ती से संन्यास की घोषणा की है, जहां फाइनल में पहुंचने के बाद उन्हें टूनामेंट से अयोग्य घोषित कर दिया गया था। विनेश दूसरे वेट-इन (फाइनल के दिन) के दौरान वजन मापने में विफल रहीं और उन्हें टूनामेंट से अयोग्य घोषित कर दिया गया, जिससे उनका पक्का पदक भी छिन गया। 29 वर्षीय विनेश कुश्ती में ओलंपिक फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला पहलवान बन गई थीं। भारत के लिए ओलंपिक पदक जीतने वाली एकमात्र अन्य महिला पहलवान साक्षी मलिक ने रियो 2016 में कांस्य पदक जीता था। गुरुवार की

सुबह तड़के सोशल मीडिया पर विनेश ने अपने एक्स अकाउंट पर लिखा: ह्लमाँ कुश्ती, तुमने मुझे हरा दिया। मुझे माफ कर दो। मेरे सपने टूट गए हैं। मेरी हिम्मत टूट गई है। अब मुझमें और ताकत नहीं है। अलविदा कुश्ती। मैं हमेशा तुम्हारा ऋणी रहूँगा। माफ करना। दो बार की ओलंपियन विनेश के नाम तीन कॉमनवेल्थ गेम्स गोल्ड, दो विश्व चैंपियनशिप कांस्य पदक और एक एशियाई खेलों का स्वर्ण पदक है। उन्हें 2021 में एशियाई चैंपियन का ताज भी पहनाया गया था। विनेश प्रतिष्ठित फोगट कुश्ती परिवार से हैं। उनकी चचेरी बहनें गीता, संगीता और बबीता भी पहलवान हैं। ओलंपिक कांस्य पदक विजेता बजरंग पुनिया ने उनकी चचेरी बहन संगीता से शादी की है। पिछले अठारह महीने इस अनुभवी पहलवान के लिए विशेष रूप से कठिन रहे। 2023 के अधिकांश भाग के लिए, विनेश ने साक्षी और बजरंग के साथ मिलकर भारतीय कुश्ती महासंघ के तत्कालीन प्रशासकों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया, जिसका नेतृत्व उस समय के दीर्घकालिक अध्यक्ष और भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह कर रहे थे। विनेश और साक्षी ने महासंघ के भीतर सत्ता के दुरुपयोग की अन्य गंभीर शिकायतों के अलावा यौन उत्पीड़न और मानसिक शोषण के आरोप लगाए और जंतर-मंतर पर सड़कों पर कई सप्ताह तक विरोध प्रदर्शन किया। विरोध प्रदर्शनों ने भारतीय कुश्ती महासंघ पर ध्यान केंद्रित करने में मदद की, जिसे निष्पक्ष संचालन प्रथाओं के लागू होने तक निलंबित कर दिया गया था। यूडब्ल्यूडब्ल्यू ने फरवरी 2024 में डब्ल्यूएफआई के अनंतिम निलंबन को हटा दिया, लेकिन महासंघ को यह गारंटी देने की आवश्यकता थी कि बजरंग, साक्षी या विनेश के खिलाफ कोई भेदभावपूर्ण कार्रवाई नहीं की जाएगी। विनेश के लिए चीजें सकारात्मक हो गईं क्योंकि उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर 55 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक जीता, जो लगभग 16 महीनों के बाद प्रतिस्पर्धी कुश्ती में उनकी वापसी थी।

पहलवान अंतिम पंघाल, सहयोगी स्टाफ को वापस स्वदेश भेजेगा आईओए

एजेंसी

पेरिस। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने पहलवान अंतिम पंघाल और उनके सहयोगी स्टाफ को चल रहे ग्रीष्मकालीन खेलों के दौरान अनुशासनात्मक उल्लंघन के कारण स्वदेश वापस भेजने का फैसला किया है, क्योंकि उन्होंने ओलंपिक गांव की मान्यता अपनी बहन को दे दी थी। एक बयान में, आईओए ने घोषणा की कि फ्रांसीसी अधिकारियों ने रिपोर्ट की है कि अंतिम और उनके सहयोगी कर्मचारियों ने अनुशासनात्मक नियमों का उल्लंघन किया है। आईओए ने कहा, फ्रांसीसी अधिकारियों द्वारा आईओए के संज्ञान में अनुशासनात्मक उल्लंघन लाए जाने के बाद भारतीय ओलंपिक संघ ने पहलवान अंतिम और उनके सहयोगी कर्मचारियों को वापस भेजने का फैसला किया है। फ्रांसीसी अधिकारियों ने आईओए से शिकायत की, जब अंतिम पंघाल ने ओलंपिक खेल गांव में प्रवेश करने में मदद करने के लिए अपनी बहन को मान्यता दी। आईओए ने पुष्टि की कि भारतीय पहलवान और उनके सहयोगी कर्मचारियों को भारत वापस भेजा जाएगा। बयान में कहा गया, ₹अंतिम पंघाल ने अपनी बहन को मान्यता दी, ताकि वह खेल गांव में प्रवेश कर सके। फ्रांसीसी अधिकारियों ने आईओए से शिकायत की, और इसलिए उसे अपने सहयोगी कर्मचारियों के साथ भारत वापस भेजा जाएगा।

न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में मयंक को मिल सकती है जगह

एजेंसी

मुम्बई । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) इतिहास में सबसे तेज रफ्तार से गेंदबाजी कर सभी का ध्यान खींचने वाले मयंक यादव अब पूरी तरह से फिट हो गये हैं और अगले माह से घरेलू क्रिकेट खेलेंगे। उनका लक्ष्य इसमें बेहतर प्रदर्शन कर टीम इंडिया में वापसी करना रहेगा। वहीं बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा है कि अगर वह दलीप ट्रॉफी में अच्छा प्रदर्शन करता है तो उसे न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू श्रृंखला में रखा जा सकता है। मयंक ने बेंगलुरु में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में पुनर्वास की प्रक्रिया पूरी कर ली है। उनका पुनर्प्राप्ति कार्यक्रम अच्छा रहा है, और उन्होंने पूरी तेजी और पूर्ण रन-अप के साथ गेंदबाजी फिर से शुरू कर दी है। मयंक ने कहा कि मेरा रिकवरी कार्यक्रम बहुत अच्छा चला और मैं अब काफी अच्छा अनुभव कर रहा हूं। साथ ही कहा कि अब मैं अगले माह 5 सितंबर से शुरू होने वाली दलीप ट्रॉफी से प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी करुंगा। वहीं बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा है कि मयंक जैसे युवा तेज गेंदबाज को अभी पूरी तरह से फिट होने जरूरी समय दिय जा रहा है। हम नहीं चाहते कि उसे जल्दबाजी में मैदान पर उतरा जाए। इससे उसके चोटिल होने का खतरा रहेगा। अनुमान है कि वह अगले साल से ही भारतीय टीम से खेल पायेगा। वहीं अगर वह दलीप ट्रॉफी में अच्छा प्रदर्शन करता है तो उसे न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू श्रृंखला में रखा जा सकता है।

भारतीय एथलीट ज्योति याराजी का सफर समाप्त

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय एथलीट ज्योति याराजी का पेरिस ओलंपिक में सफर समाप्त हो गया है। ज्योति याराजी गुरुवार को पेरिस ओलंपिक में महिलाओं की 100 मीटर बाधा दौड़ रेपेचेज राउंड में 13.17 सेकेंड का समय लेकर हीट 1 में चौथा स्थान हासिल किया। इससे वह प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में जगह नहीं बना सकीं। प्रत्येक हीट से शीर्ष दो पर रहने वाले खिलाड़ी सेमीफाइनल में पहुंचते हैं।

साउथ अफ्रीका की मैरियोन फौरी ने 12.79 सेकेंड के साथ हीट में शीर्ष स्थान हासिल किया, जबकि नीदरलैंड्स की माएके तजिन-ए-लिम ने 12.87 सेकेंड के साथ दूसरा स्थान हासिल किया।

इससे पहले बुधवार को भी ज्योति याराजी महिलाओं की 100 मीटर बाधा दौड़ के पहले राउंड में 13.16 सेकेंड का समय लेकर हीट 4 में सातवें स्थान पर रहीं थीं। इससे वह डायरेक्ट क्वालिफिकेशन हासिल नहीं कर पाईं। प्रत्येक हीट में शीर्ष तीन और अगले तीन सबसे तेज धावक सेमीफाइनल में पहुंचे, जबकि अन्य सभी रेपेचेज राउंड में पहुंचे। उनके पास रेपेचेज राउंड में अच्छा प्रदर्शन कर सेमीफाइनल नें पहुंचने का आखिरी मौका था, जिसमें वह सफल नहीं हो पाईं।

पहलवान अंतिम पंघाल और उनके दल को ओलंपिक से किया गया बाहर

एजेंसी

पेरिस। महिला पहलवान अंतिम पंघाल और उनकी पूरी टीम को पेरिस ओलंपिक से बाहर कर दिया गया है। पंघाल और परे दल को नियमों को तोड़ने के कारण तत्काल पेरिस छोड़ने को कहा गया है। इस कारण कारण है कि अंतिम पंघाल ने अपनी आधिकारिक मान्यता कार्ड का गलत उपयोग करते हुए उसे अपनी छोटी बहन को दे दिया था जिससे वह खेल गांव से अपना निजी सामान ले जा सके पर बाहर निकलते समय उसे सुरक्षाकर्मियों ने पकड़ लिया जिसके कारण पंघाल के दल पर ये कार्रवाई हुई है। ये मामला तब का है जब महिलाओं की 53 किलोग्राम कुश्ती स्पर्धा से पंघाल बाहर हो गई थी। अपने शुरूआती मुकाबले में हारने के बाद अंतिम होटल लौट आई, यहां उनके नामित कोच भगत सिंह और उसके वास्तविक कोच विकास मौजूद थे। अंतिम ने अपनी बहन से खेल गांव से अपना सामान लेने के लिए कहा। उनकी बहन वहां घुसने में तो सफल रहीं पर बाहर जाते समय उसे सुरक्षाकर्मियों ने पकड़ लिया। इसके बाद अंतिम की बहन को बयान दर्ज कराने के लिए स्थानीय पुलिस स्टेशन ले जाया गया। इसके अलावा अंतिम को भी बुलाया गया और इस मामले की जानकारी भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) को दी गयी। इसके बाद आईओए ने अंतिम और उनके दल को वापस भेजने का फैसला किया।

जिला स्टेडियम में आज होगा जिला स्तरीय ट्रायल

महोबा। जिला स्तरीय ट्रायल नौ अगस्त को जिला स्टेडियम में होगा। जहां जनपद स्तर पर अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को मंडल स्तरीय ट्रायल के लिए चुना जाएगा। इसके बाद वह प्रदेश स्तरीय ट्रायल में शामिल हो सकेंगे। यह जानकारी उप क्रीड़ाधिकारी रामचंद्र ने गुरुवार को दी है। जिला क्रीड़ाधिकारी राम चंद्र ने बताया कि शुक्रवार को जिला स्टेडियम में विभिन्न खेलों को लेकर ट्रायल का आयोजन किया जाएगा। जिसमें टेनिस, वॉलीबॉल, तैराकी, बास्केटबॉल, बैडमिंटन, कबड्डी, शतरंज, कुश्ती क्रिकेट और हॉकी सहित अन्य प्रतियोगिताओं का ट्रायल होगा व खिलाड़ी चयनित होंगे। ट्रायल में शानदार प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी मंडल स्तरीय ट्रायल के लिए चुने जाएंगे, जहां 13 से 14 अगस्त को शानदार प्रदर्शन करने वालों को प्रदेश स्तरीय ट्रायल के लिए मौका मिलेगा ।

सीरीज हारने का मतलब सब कुछ समाप्त होना नहीं : रोहित

- कई क्षेत्रों पर ध्यान देने की जरुरत

एजेंसी

कोलंबो । भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने श्रीलंका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में हार के बाद कहा कि एक सीरीज हारने का मतलब यह नहीं है कि सब कुछ समाप्त हो गया है। रोहित ने कहा कि इन्हीं खिलाड़ियों को लेकर हम पिछले कुछ साल से शानदार प्रदर्शन करते आ रहे हैं। ऐसे में तय है कि कुछ सीरीज हारेंगे भी। उन्होंने माना कि भारतीय टीम ने इस सीरीज में उम्मीद के अनुसार नहीं खेला। कप्तान ने कहा, ह्यहमने पूरी सीरीज में अच्छा क्रिकेट नहीं खेला और इसलिए ये हाथ से निकल गयी पर सीरीज में कुछ सकारात्मक चीजें भी हुईं। सीरीज के तीसरे व अंतिम मैच में विष्का फर्नांडो और कुसाल मेंडिस के अर्धशतक और दुनिथ वेलालागे की अच्छी गेंदबाजी से श्रीलंका ने भारतीय टीम को 110 रन से हराकर सीरीज 2-0 से जीत ली थी। इस सीरीज का पहला मैच टाई रहा था जबकि दूसरे में श्रीलंकाई टीम जीती थी। श्रीलंका ने 1997 के बाद अपनी धरती पर भारत के खिलाफ पहली एकदिवसीय सीरीज जीती है। श्रीलंका से जीत के लिए मिले 249 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम 26.1 ओवर में ही 138 रनों पर आउट हो गयी। भारत की ओर से कप्तान रोहित शर्मा ने सबसे अधिक 35 रन बनाए। इसके अलासा वाशिंगटन सुंदर ने 30 और विराट कोहली ने 20 रन बनाये। वहीं मेजबानों की ओर से वेलालागे ने 27 रन पर पांच विकेट लिए।

इस मैच में स्पिन के खिलाफ भारतीय बल्लेबाजी के विफल होने को लेकर रोहित ने कहा कि ये चिंता का विषय तो नहीं है पर इस मामले में हमें गंभीरता से विचार करना होगा। हम निश्चित रूप से इस सीरीज में दबाव में थे। उन्होंने कहा, ह्यहम सीरीज हार गये पर मुझे लगता है कि हमें सकारात्मक पहलुओं के बजाय कई अन्य क्षेत्रों पर ध्यान देने की जरूरत है। हमें पीछे जाकर देखना होगा कि जब हम इस तरह के हालातों का सामना करेंगे तो हमें क्या करना होगा ह्ल उन्होंने साथ ही कहा, ह्यजब आप भारत के लिए खेलते हैं तो लापरवाह होने का सवाल ही नहीं उठता है पर हमें स्वीकार करना होगा कि श्रीलंका ने हमसे बेहतर खेल दिखाया।

पेरिस ओलंपिक में चौथे स्थान पर रही मीराबाई चानू

एजेंसी

पेरिस । भारत की अनुभवी महिला भारोत्तोलक मीराबाई चानू का पेरिस ओलंपिक में पदक जीतने का सपना टूट गया है। चानू पेरिस ओलिम्पिक के 49 किलोग्राम भाग वर्ग में चौथे स्थान पर रहने के साथ ही मुकाबले से बाहर हो गयीं। चानू ने स्नैच में 88 जबकि क्लीन एंड जर्क में 111 किलोग्राम का वजन उठाने के साथ ही कुल 199 किलो वजन उठाया पर से पदक के लिए पर्याप्त नहीं था। वहीं चीन की होउ झिहुई ने कुल 206 किलोग्राम वजन उठाकर स्वर्ण अपने नाम किया जबकि रोमानिया की कैम्बी मिहेला वेलेंटीना 205 किलोग्राम वजन उठाकर दूसरे जबकि थाईलैंड की खंबाओ सुरोद्चना 200 किग्रा वजन उठाकर तीसरे स्थान पर रहीं। चानू ने स्नैच में पहले पहला प्रयास में 85 किलोग्राम जबकि दूसरे में 88 किलोग्राम व तीसरे में 88 किलोग्राम वजन उठाया।

वहीं क्लीन एंड जर्क में पहले ही प्रयास में पहला प्रयास : 111 किलोग्राम वजन उठाकर वह असफल रहीं। जबकि दूसरे प्रयास मे 111 किलोग्राम वजन उठाकर सफल रहीं। तीसरे प्रयास में उन्होंने 114 किलोग्राम वजन उठाया और असफल रहीं। इस प्रकार उन्होंने कुल 199 किलोग्राम वजन उठाया।

चानू ने पदक नहीं जीत पाने पर निराश जताते हुए प्रशंसकों से माफी मांगी है।

खूबसूरती के कारण ओलंपिक से बाहर हुई लुआना

एजेंसी

पेरिस । पेरिस ओलंपिक में जहां खिलाड़ी एक से बढ़कर एक रिकार्ड बना रहे हैं। वहीं एक महिला खिलाड़ी को इसलिए बाहर कर दिया गया क्योंकि वह जरुरत से ज्यादा खूबसूरत निकली। ये खिलाड़ी पैराग्वे की तैराक लुआना अलोंसो हैं जिन्हें खेलगांव से वापस भेजने का फैसला किया गया। इस प्रकार के अजीब से फैसले पर लोगों ने हैरानी जतायी है। लुआना के लिए उसकी खूबसूरती ही बाधा बन गयी। उसे इसी कारण कमरा खाली करने और स्वदेश वापस लौटने को कहा गया। एक रिपोर्ट के अनुसार ओलंपिक में भाग लेने पहुंचे पैराग्वे के कुछ खिलाड़ियों ने अधिकारियों से लुआना की सुंदरता को लेकर शिकायत की थी। इनका कहना है कि लुआना की खूबसूरती के कारण उनका ध्यान खेल पर नहीं लग पा रहा था। वहीं खेलगांव के अधिकारियों ने भी इस बात को माना है। उनका कहना है कि इस एथलीट की सुंदरता से अन्य लोगों का ध्यान भटकता है। पैराग्वे के खिलाड़ियों के साथ ही मौजूद अधिकारियों को भी यही आशंका हुई। उनका मानना था कि इससे खिलाड़ियों के पदक जीतने की संभावना कम होगी।

विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप श्रृंखला के लिए श्रीलंकाई टीम घोषित

एजेंसी

कोलंबो। श्रीलंका ने इंग्लैंड के खिलाफ 21 अगस्त से मैनचेस्टर में शुरू होने वाली तीन मैचों की टेस्ट श्रृंखला के लिए 18 खिलाड़ियों की टीम घोषित कर दी है। यह श्रृंखला आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप का हिस्सा है। टीम में मिलन रथनायके और निसाला थरका नए चेहरे हैं। 33 वर्षीय निसाला थरका ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है, उन्होंने 107 मैचों में 257 विकेट और 2358 रन बनाए हैं। यह श्रृंखला राष्ट्रीय टीम की जर्सी पहनने का उनका पहला अवसर है। दूसरी ओर, रथनायके अफगानिस्तान और न्यूजीलैंड के खिलाफ पिछली श्रृंखला के लिए टेस्ट टीम का हिस्सा थे, लेकिन अभी तक उन्होंने पदार्पण नहीं किया है। तेज गेंदबाजी लाइन-अप में असिथा फर्नांडो, विश्वा फर्नांडो, कसुन राजिथा और लाहिरू कुमारा शामिल हैं। धनंजय डी सिल्वा की अगुवाई वाली टीम में बल्लेबाज पथुम निसांका और स्पिनर जेफरी वांडरसे की भी वापसी हुई है। निसांका और वांडरसे ने आखिरी बार सबसे लंबे प्रारूप में 2022 में खेला था, वांडरसे का चयन एकदिवसीय मैच में भारत के खिलाफ 6/33 के अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के बाद हुआ। श्रीलंका के स्पिन आक्रमण का नेतृत्व प्रभात जयसूर्या और रमेश मेंडिस करेंगे जो टीम में गहराई और विविधता प्रदान करेंगे। कुसल मेंडिस को हाल ही में एकदिवसीय कप्तान के रूप में चरिथ असलांका द्वारा प्रतिस्थापित किया गया है, जो टेस्ट श्रृंखला के लिए टीम के उप कप्तान होंगे। श्रीलंका 50% अंक प्रतिशत के साथ वर्तमान में विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप स्टैंडिंग में चौथे स्थान पर है, जबकि इंग्लैंड 36.54% के साथ छठे स्थान पर है। यह श्रृंखला दोनों टीमों के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि उनका लक्ष्य स्टैंडिंग में ऊपर चढ़ना और विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल में जगह सुरक्षित करना है।

इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला के लिए श्रीलंकाई टीम इस प्रकार है

धनंजय डी सिल्वा (कप्तान), दिमुथ करुणारत्ने, निशान मदुश्का, पथुम निसांका, कुसल मेंडिस (उपकप्तान), एंजेलो मैथ्यूज, दिनेश चंडीमल, कामिंडु मेंडिस, सदीरा समरविक्रमा, असिथा फर्नांडो, विश्वा फर्नांडो, कासुन राजिथा, लाहिरू कुमारा, निसाला थरका, प्रभात जयसूर्या, रमेश मेंडिस, जेफरी।

पेरिस में टीम एक्रोबेटिक में भाग लेते हुए प्रतियोगी।

स्टॉक मार्केट मिथक जो युवाओं को नहीं बनाने देते करियर

यदि आप भी उन लोगों में से एक हैं जो स्टॉक मार्केट में करियर बनाना चाहते हैं, लेकिन इन बातों को सुनकर अपने कदम आगे नहीं बढ़ा पा रहे, तो हम आपको बता दें कि आपको आधा-अधूरा सत्य बताया गया है। आम तौर पर लोग अपनी गलतियों को नहीं गिनाते। यहां पर लोगों के पैसा डूबने का मुख्य कारण अत्यधिक लालच, जानकारी का अभाव, जल्दबाजी, रिसर्च का अभाव, रिस्क मैनेजमेंट न करना आदि होता है। शेयर बाजार में करियर उतना ही फायदेमंद है, जितना अन्य दूसरे फील्ड।

स्टॉक मार्केट बिजनेस नहीं, जुआ है

स्टॉक मार्केट की प्रतिष्ठा को जुए, सट्टे और अटकलों का बाजार कहा जाता है। इस तरह की गलत सूचनाओं को उन लोगों द्वारा फैलाया जाता है, जो रातो-रात अपने पैसे को चौगुना करने के प्रयास में अपने हाथ जला चुके हैं। यहां भी किसी अन्य व्यवसाय की तरह, आपके मन में उचित जोखिम-वापसी की अपेक्षा होनी चाहिए। धन सृजन एक धीमी और स्थिर प्रक्रिया है। इसलिए, लोगों को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए कि, वे अपनी बचत को अच्छी कंपनियों में बुद्धिमानी से लगाएं और गर्वित शेयरधारक बनें। स्टॉक मार्केट ऐसे लोगों के लिए केवल एक जुआ है जो रातों-रात पैसा कमाना चाहते हैं और जल्दी पैसा कमाने के लिए दांव लगाते हैं।

स्टॉक मार्केट में हाई रिस्क

इस मार्केट में कमाई का पूरा खेल इक्विटी होल्डिंग में शामिल जोखिम और रिटर्न पर निर्भर करता है। शेयरों की कीमतों में हर दिन और कभी-कभी हर घंटे उतार-चढ़ाव आता है। हालांकि, अगर हम कुछ वर्षों का रिटर्न देखें तो कुल मिलाकर रिटर्न एक महीने या एक साल की अवधि में प्रदर्शित आंकड़ों से कहीं अधिक होगा। यह आपके लिए धैर्य यहां सफलता की कुंजी है।

स्टॉक मार्केट करियर एक स्थिर पेशा नहीं

प्रतिमाह निश्चित सैलरी पाने वाले लोग स्टॉक मार्केट को एक्स्ट्रा आय स्रोत के रूप में देखते हैं। लोग अपने जीवन में नियमित और निश्चित सैलरी चाहते हैं, लेकिन स्टॉक मार्केट से जुड़े लोग ऐसा नहीं सोचते हैं। वे हर दिन अपने करियर को नई दिशा देते हैं।

स्टॉक मार्केट करियर केवल विशेषज्ञों के लिए

किसी भी स्किल में महारत हासिल करने में समय लगता है और ऐसा ही स्टॉक मार्केट के साथ भी है। वर्तमान समय में, पर्सनल इनवेस्टर्स स्टॉक मार्केट में सबसे बड़े भागीदार हैं। वित्त वर्ष 2023 में डीमैट खातों की कुल संख्या में रिकॉर्ड वृद्धि हुई है। खुदरा निवेशक 2022 में इक्विटी कैश मार्केट में कुल वॉल्यूम का 45 फीसदी योगदान करते हैं, जो 2016 में 33 फीसदी था। यह आंकड़े एक और मिथक को खारिज करते हैं।

पेपर बैग बनाओ और लाखों रुपये कमाओ

जब से भारत सरकार ने प्लास्टिक और पॉलिथीन की बनी थैलियों पर पाबन्दी की घोषणा की है तभी से कई सारे राज्यों में इसके इस्तेमाल पर काफी हद तक बैन लग चूका है। प्लास्टिक से बनी थैलियाँ इस कदर हमारे जीवन का हिस्सा बन चुकी है की उन्हें पूरी तरह बंद करना काफी मुश्किल काम है और ये तभी संभव हो पायेगा जब इन पॉलिथीन की थैलियों का कोई विकल्प हमारे सामने होगा। तो इसका सबसे अच्छा विकल्प है पेपर बैग।

पेपर बैग का चलन हमारे देश में बड़ी तेज़ी के साथ बढ़ रहा है। और वो दिन दूर नहीं जब दुकानों, शौपिंग मॉल व हर जगह आपको सिर्फ पेपर बैग ही दिखाई देंगे। इस समय मार्केट में पेपर बैग की मांग बहुत ज्यादा है तो ऐसे में अगर आप खुद का बिज़नस शुरू करने की सोच रहे है तो ये आईडिया आपके लिए बहुत ज्यादा फ़ायदे वाला साबित हो सकता है क्योंकि इस बिज़नस में कम्पीटीशन बहुत कम है और अगर आपने सही दिशा में जी तोड़ मेहनत कर ली तो आपको सफल होने से कोई नहीं रोक सकता।

व्यापार का अवसर एवं क्षेत्र

प्लास्टिक थैलियों के मुकाबले पेपर बैग दिखने में काफी स्टाइलिश होते है। और बड़े शहरों में लोगो के बीच इसका क्रेज बढ़ता जा रहा है। निम्न जगहों पर पेपर बैग बहुत ज्यादा प्रचलित हैं - किराने की दुकानों पर, शोपिंग मॉल में, मेडिकल स्टोर्स पर, फ़ल व सब्जियों की दुकानों पर पेपर बैग की मांग इतनी तेज़ी से बढ़ रही है की आने वाले कुछ सालों में पेपर बैग मेकिंग बिज़नस अरबों रुपयों का हो जायेगा। इसकी सबसे बड़ी वजह ये है की ये इको-फ्रेंडली होने के साथ-साथ बहुत सस्ते भी है। पेपर बैग को आसानी से रीसाइकिल किया जा सकता है और वातावरण को इससे ज़रा भी नुकसान नहीं होता है। इसीलिए जितनी जल्दी आप यह बिज़नस स्टार्ट करोगे आपको उतना ही ज्यादा प्रॉफिट होगा।

व्यापार के लिए जगह का चुनाव

किसी भी व्यापार के लिए सही जगह का चुनाव बहुत महत्वपूर्ण है। बिज़नस शुरू करने से पहले कुछ बातों की पूरी जानकारी लेना बहुत जरुरी है क्योंकि अगर एक बार मशीनें इनस्टॉल हो गई तो उन्हें वापस से दूसरी जगह इनस्टॉल करना बहुत भरी पड़ सकता है। इसके लिए आप निम्नलिखित बातों को अवश्य ध्यान में रखें

- पेपर बैग मेकिंग बिज़नस के लिए जगह ऐसी लोकेशन पर हो कि आसपास के लोगों को मशीनों की आवाज़ से कोई परेशानी न हो। इसके लिए आप शहर कुछ दूरी पर जगह का चुनाव करें ध्यान रहे उस जगह की शहर से ज्यादा दूरी न हो।
- उस जगह से शहर तक सड़क की अच्छी व्यवस्था हो।
- माल लाने व ले जाने के लिए गाडियों के पहुचने की व्यवस्था हो।
- पानी व बिजली की व्यवस्था हो।
- मजदूर आसानी से उपलब्ध हो।

व्यापार पंजीकरण

पेपर बैग व्यापार शुरू करने से पहले अपने बिज़नस को रजिस्टर करवाना बिलकुल भी न भूले। इसके लिए आपको अपने कस्बे या शहर की नगर-पालिका/नगर-निगम से ट्रेड लाइसेंस व साथ ही भारत सरकार की और से ज़ारी की जाने वाली उद्योग आधार संख्या के लिए आवेदन करना होगा।

मशीनों की जानकारी

पेपर बैग बनाने के लिए मार्केट में कई सारी अलग अलग कंपनियों की मशीने उपलब्ध है। जिनमे से कुछ स्वचालित है तो कुछ को आपको खुद को ही चलाना होगा। ऐसी भी बहुत सारी मशीनें है जो पेपर बैग बनाने के साथ साथ उन पर प्रिंटिंग की सुविधा भी देती है। इन्ही सब खूबियों की वजह से इनकी कीमतों में अंतर है। पेपर बैग बनाने की मशीन की कीमत 3 लाख रूपए से लेकर 20 लाख रूपए तक हो सकती है। जितनी महँगी मशीन होगी पेपर बैग का उत्पादन व गुणवत्ता उतनी ही अच्छी होगी। मशीन को आप ऑफलाइन या ऑनलाइन दोनों तरीकों से खरीद सकते है।

आवश्यक कच्चा माल

पेपर बैग बनाने के लिए कई तरह के कागजों का इस्तेमाल किया जाता है। कुछ कागज़ अच्छी क्वालिटी वाले तो कुछ बहुत ही हल्के होते है। अगर आप शोपिंग मॉल को ध्यान में रखते हुए पेपर बैग बना रहे है जहाँ ग्राहकों द्वारा एक साथ कई सारे सामान, कपड़े और ग्रोसरी खरीदी जाती है तो आपको अच्छी गुणवत्ता वाला कागज़ ही इस्तेमाल करना होगा। अगर आप सस्ता विकल्प ढूंड रहे है तो कागज़ के लिए अखबार का इस्तेमाल भी कर सकते है लेकिन यह आपके ब्रांड की वैल्यू मार्केट में कम कर देगा। यह आपको निश्चय करना है की आप कौनसा कागज़ इस्तेमाल में लेते हो। पेपर बैग बनाने के लिए ये चार चीज़े अत्यधिक आवश्यक है- पेपर रोल, चिपकाने के लिए गौद, छपाई के लिए प्रिंटिंग इंक, बैग स्ट्रिप।

पेपर बैग बनाने की प्रक्रिया

पेपर बैग बनाने का काम पूर्णतया मशीन द्वारा ही किया जाता है। सिर्फ एक व्यक्ति जो मशीन चलाना जानता हो आसानी से उस मशीन को ऑपरेट कर सकता है। आपको केवल एक बार जरुरी पेपर रोल, गौद, छपाई के लिए प्रिंटिंग इंक मशीन में लगानी है उसके बाद मशीन स्वत- ही अपना काम करने लगती है।

कुल लागत का गणित

अगर आप छोटे स्तर पर यह काम शुरू करना चाहते है तो आपको मशीन के लिए कम से कम 3 से 5 लाख खर्च करने पड़ेगें। मशीन के आलावा भी अन्य कच्चा मॉल, जगह का किराया, बिजली का बिल, मज़दूर की तनख्वाह, ट्रांसपोर्टेशन का खर्चा मिलाकर इसकी कुल लागत 6 से 7 लाख रूपए तक पड़ेगी।

मार्केटिंग एंड प्रमोशन

अपने बिज़नस की मार्केटिंग या प्रमोशन के लिए आप ऑनलाइन या ऑफलाइन तरीका अपना सकते है। ऑफलाइन मार्केटिंग या प्रमोशन के लिए आप अपने शहर के साथ-साथ नजदीकी शहरों या कस्बों में शोपिंग मॉल, किराने की दुकानों, फ़ल व सब्ज़ियों की दुकानों, मेडिकल स्टोर्स आदि पर जा कर अपने प्रोडक्ट्स के बारे में बता सकते है। इसके लिए आपको विजिटिंग कार्ड और पम्पलेट जिसमें अपने प्रोडक्ट की सारी खूबियाँ व मूल्य व्यवस्थित रूप से निर्धारित किये गए हो की ज़रूरत पड़ेगी। ऑफलाइन मार्केटिंग करने से पहले आपको खुद को इसके लिए तैयार करना होगा। उन सवालों के जवाब आपको पहले से ही तैयार रखने होंगे जो आपके कस्टमर्स आप से पूछ सकते है।
कहने का मतलब ये है कि ऑफलाइन मार्केटिंग करने से पहले एक अच्छे इंस्टिट्यूट से मार्केटिंग की जरुरी स्किल जरुर सीख लें। और अगर आपके पास बजट ज्यादा है तो मार्केटिंग के लिए आप किसी अनुभवी व्यक्ति को नौकरी पर भी रख सकते है। ऑनलाइन मार्केटिंग या प्रमोशन के लिए कई सारे तरीके उपलब्ध है।
वर्तमान में लोगों के बीच इन्टरनेट की बढ़ती लोकप्रियता को देखते हुए अपने प्रोडक्ट की मार्केटिंग या प्रमोशन के लिए यह सबसे अच्छा विकल्प है। ऑनलाइन मार्केटिंग का सबसे अच्छा फायदा यह है की इन्टरनेट की मदद से घर बैठे आप पूरी दुनिया में अपने प्रोडक्ट का प्रमोशन कर सकते हो और इसमें होने वाला खर्चा भी ना के बराबर है। तो बिलकुल भी देर मत कीजिये और पेपर बैग किंग बनने की दिशा में अपना पहला कदम जल्दी से जल्दी बढाइये।

ये हैं कंप्यूटर साइंस वालों के लिए टॉप करियर ऑप्शन

लाखों में मिलती है सैलरी

कंप्यूटर साइंस में बीटेक करना हर युवा का सपना होता है। वहीं, यदि आप अभी भी इस बात को लेकर कन्फ्यूज़न में हैं कि कंप्यूटर साइंस में इंजीनियरिंग के बाद क्या करें, तो यहां कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग के बाद कुछ बेहतरीन करियर हैं। कंप्यूटर साइंस में ग्रेजुएट्स के लिए कई करियर ऑप्शन हैं और इससे करियर ग्रोथ भी ज्यादा होती है। कंप्यूटर साइंस के ग्रेजुएट पब्लिक और प्राइवेट दोनों क्षेत्रों में नौकरियां पा सकते हैं।

सॉफ्टवेयर डेवलपर

एक फुल-स्टैक सॉफ़्टवेयर डेवलपर सॉफ़्टवेयर प्रोग्राम बनाने के बेसिक काम में शामिल होता है। वे ऐसे एप्लिकेशन या प्रोग्राम बनाते हैं जो कंपैटिबल होते हैं ताकि सॉफ़्टवेयर को किसी भी डिवाइस पर देखा और आसानी से संभाला जा सके और देखने के लिए बहुत पोर्टेबल हो।

सॉफ्टवेयर इंजीनियर

C, C++, C#, Java, Python और कई अन्य प्रोग्रामिंग भाषाएं हैं जिनकी सही कमांड की आवश्यकता होती है। इसलिए यह करियर बी-टेक छात्र के लिए कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग के बाद सबसे अच्छे करियर में से एक माना जाता है। एआई जैसी नई टेक्नोलॉजी की प्रगति के बावजूद, सॉफ्टवेयर इंजीनियरों की मांग और आवश्यकता वर्ष 2050 तक भी बरकरार रहेगी।

डेटाबेस एडमिनिस्ट्रेटर

एक डेटाबेस एडमिनिस्ट्रेटर मौजूदा सॉफ़्टवेयर मॉडिफिकेशन की जाँच करता है। यह एक आवश्यक जिम्मेदारी है क्योंकि इसमें बहुत सतर्क रहना और कंपनी डेटाबेस और उसकी गुणवत्ता पर नियंत्रण बनाए रखना शामिल है। बैंकिंग, बीमा और सर्विस कंपनियों जैसे संगठन, एलिजिबल डेटाबेस एडमिनिस्ट्रेटर को अच्छी जॉब देते हैं।

कंप्यूटर हार्डवेयर इंजीनियर

कंप्यूटर हार्डवेयर इंजीनियर विभिन्न कंप्यूटर हार्डवेयर कॉम्पोनेंट्स जैसे राउटर, सर्किट बोर्ड और मेमोरी डिवाइस का विकास, डिजाइन और परीक्षण करता है। इस काम के लिए टेक्निकल एक्सपर्टीज और क्रिएटिविटी के बीच अच्छे सहयोग की आवश्यकता होती है। यह सुनिश्चित करना उनका काम है कि हार्डवेयर ठीक से काम कर रहा है।

सिस्टम एनालिस्ट

कंप्यूटर सिस्टम एनालिस्ट, इनफॉरमेशन सिस्टम के प्रत्येक संगठन का डीप एनालिसिस करने और उचित सुधार का सुझाव देने के लिए मौजूद होता है। बढ़ते आईटी बिज़नेस के साथ, कंप्यूटर सिस्टम एनालिस्ट की मांग भी बढ़ रही है। फाइनेंस कंपनियों, सरकार, बीमा आदि सहित विभिन्न क्षेत्रों में नौकरी के कई अवसर हैं।

कंप्यूटर नेटवर्क आर्किटेक्ट

कंप्यूटर नेटवर्क आर्किटेक्ट लोकल एरिया नेटवर्क, वाइड एरिया नेटवर्क, एक्स्ट्रानेट और इंट्रानेट के साथ नेटवर्किंग और कंप्यूटर प्रोसेसिंग टेक्नोलॉजी को डिजाइन, स्थापित और प्रबंधित करता है। काम डेटा प्रोसेसिंग और सहयोग के संदर्भ में संगठनों की इच्छाओं को पहचानना है।

वेब डेवलपर

वेब डेवलपर्स के पास पेज लेआउट, वेबसाइट स्टाइलिंग और पेज फीचर्स की मदद से किसी विशेष वेबसाइट पर विज़िटर के अनुभव को ढालने का एक आकर्षक काम है। एक वेब डेवलपर को HTML, CSS, JavaScript जैसी प्रोग्रामिंग लैंग्वेज की उचित समझ होनी चाहिए और यह समझना चाहिए कि एक सर्वर विभिन्न डिवाइस के साथ कैसे काम करता है। पूरी दुनिया में वेब डेवलपर्स की भारी मांग है। अगले दस वर्षों में इसके 13त्न बढ़ने का अनुमान है।

प्रोजेक्ट मैनेजर

कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग के बाद यह सबसे अच्छे करियर में से एक है। प्रोजेक्ट मैनेजर का काम प्रोग्रामिंग टीम के प्रयासों को एक साथ लाना है और परियोजनाओं को पूरा करने के लिए उनके काम का समर्थन करना है। एजुकेशन से लेकर स्वास्थ्य तक, लगभग हर उद्योग को प्रोजेक्ट मैनेजर की आवश्यकता है। इसलिए इस सेक्टर में रोजगार के अवसर बढ़ रहे हैं।

राजनीतिक विज्ञान में बनाएं कॅरियर

पारंपरिक करियर विकल्पों में राजनीति विज्ञान यानी पॉलिटिकल साइंस का महत्व सदाबहार कहा जा सकता है। यह विषय समाज शास्त्र का एक हिस्सा है। इसके अंतर्गत प्रशासन की विभिन्न प्रणालियों और दुनिया भर में मौजूद राजनैतिक तंत्रों व उनकी नीतियों को पढ़ाया जाता है। इसमें अध्यापन-कार्य से लेकर शोध, चुनाव व कानून से जुड़े कार्यक्षेत्रों में काम किया जा सकता है। इस समय राजनीति विज्ञान के जानकार युवाओं की पॉलिटिकल व इंटेलिजेंस एनालिस्ट या कंसल्टेंट्स के तौर पर सेवाएं ली जा रही हैं।

देश के लगभग सभी विश्वविद्यालयों में ग्रेजुएशन और पोस्ट ग्रेजुएशन स्तर पर इस विषय पर आधारित कोर्सेज उपलब्ध हैं। इसलिए यह कहना कुछ हद तक सही है कि अन्य कोर्सेज की तुलना में इसमें दाखिला पाने के लिए ज्यादा मारामारी की स्थिति नहीं है। हालांकि, बेहतर मुकाम पाने के लिए इस विषय में उच्च अध्ययन की ओर रुख करना काफी महत्व रखता है। दूसरे पारंपरिक कोर्सेज की तुलना में करियर को संवारने के कहीं ज्यादा अवसर इस विषय की पढ़ाई के जरिये हासिल किए जा सकते हैं। अकादमिक और शोध कार्यों में दिलचस्पी दिखाने वाले छात्रों को देशी-विदेशी संस्थानों की स्कॉलरशिप हासिल करने की कोशिश करनी चाहिए। इसके जरिए उन्हें आगे चलकर अध्यापन के बेहतर अवसर मिलेंगे।

स्कूल और कॉलेज में अध्यापन और शोध कार्यसहित अन्य क्षेत्रों में मौके होने के साथ ही हाल के वर्षों में कुछ नए करियर विकल्प भी उभरे हैं। इनमें से कुछ हैं- पॉलिटिकल एनालिस्ट - राजनीति विज्ञान में पारंगत अनुभवी विशेषज्ञों के लिए यह काफी महत्वपूर्ण करियर कहा जा सकता है। इनका काम मुख्य रूप से राजनैतिक निर्णयों/सरकारी नीतियों आदि पर समीक्षात्मक टिप्पणी करना और उनकी कमियों को उजागर करना है। ये बतौर विशेषज्ञ, पॉलिटिकल पार्टियों की नीतियों और चुनावी घोषणाओं पर भी अपने विचार देते हैं।
सोशल मीडिया मैनेजर - आम जनता के बीच जनमत तैयार करने या किसी खास राजनैतिक दल के लिए सोशल मीडिया के माध्यम से प्रचार करने जैसे कार्यों को बखूबी अंजाम देने में इस विषय की पृष्ठभूमि वाले लोगों को काफी उपयोगी माना जाता है। यही कारणहै कि सोशल मीडिया से जुड़ी नौकरी पाने में राजनीति शास्त्र के जानकार को ज्यादा परेशानी नहीं होती है।
पॉलिटिकल कंसल्टेंट्स - इनका काम चुनावी दंगल में प्रत्याशियों के लिए अधिकाधिक मत पाने की योजना तैयार करना और उन्हें सफलता के साथ लागू करना होता है। यह समझ जनता के साथ लंबे समय से संपर्क में रहने के बाद विकसित होती है। सामाजिक और आर्थिक स्थितियों का अच्छा जानकार होना इस संदर्भ में महत्वपूर्ण कहा जा सकता है।
इंटेलिजेंस एनालिस्ट- राजनैतिक प्रतिद्वंद्वियों की विचारधारा को समझते हुए उनके बारे में रिपोर्ट बनाना, इनके कार्य के दायरे में आता है। ऐसे विशेषज्ञ प्राय- अप्रत्यक्ष तौर पर काम करते हैं।
मार्केट सर्वे एक्सपर्ट- बड़ी-बड़ी कंपनियां भी अपना नया उत्पाद बाजार में उतारने से पहले ऐसे विशेषज्ञों का सहारा लेती हैं, ताकि उन्हें समय-समय पर प्रतिक्रियाएं मिलती रहें। इस प्रकार वे अपने उत्पाद की त्रुटियों को न सिर्फ समझ सकते हैं, बल्कि उनमें समय रहते सुधार कर दोबारा मार्केट में उतार सकते हैं।
वकील के तौर पर करियर- राजनीति शास्त्रकी पृष्ठभूमि वाले युवाओं के लिए एलएलबी करना सही रहता है। इनके लिए मुकदमों की बारीकियों को समझना आसान होता है। वहीं जनसंचार के क्षेत्र में ऐसे सफल पत्रकारों की कमी नहीं है, जिनके पास राजनीति विज्ञान की डिग्री है। ऐसे अवसर प्रिंट/इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया में मिल सकते हैं।
पाठ्यक्रम
यह बताने की जरूरत नहीं है कि राजनीति विज्ञान कोई नया विषय नहीं है। इससे जुड़े कोर्सेज भी पुराने या परंपरागत कहे जा सकते हैं। दसवीं के बाद ही प्राय- एक स्वतंत्र विषय के रूप में राजनीति विज्ञान की पढ़ाई शुरू हो जाती है। ग्रेजुएशन स्तर पर बीए/बीए (ऑनर्स) कोर्स का प्रमुख तौर पर उल्लेख किया जा सकता है। आमतौर पर इन तीन वर्षीय पाठ्यक्रम में मेरिट के आधार पर ही नामी विश्वविद्यालयों में प्रवेश दिया जाता है। इसके बाद मास्टर्स और पीएचडी तक की डिग्री हासिल की जा सकती है। दूरस्थ शिक्षा और मुक्त विद्यालयों से भी इस विषय की पढ़ाई विभिन्न विश्वविद्यालयों के माध्यम से की जा सकती है।

व्यक्तित्व में क्या हो खास

इस क्षेत्र में ऐसे युवाओं को करियर बनाने के बारे में सोचना चाहिए, जिनको देश-विदेश में चल रही राजनैतिक उथल-पुथल और सामयिक मामलों के बारे में जानने की गहरी दिलचस्पी हो। देश के बदलते राजनैतिक घटनाक्रम पर पैनी नजर और इसके सामाजिक एवं आर्थिक कारणों को समझने की दृष्टि और उनके आधार पर भावी राजनैतिक आहटों को समझने की क्षमता भी इस क्रम में एक विशिष्ट गुण कहा जा सकता है। इसके अलावा तथ्यों और तर्कों के आधार पर नीतिगत निर्णयों को समझने की काबिलियत को भी कम महत्वपूर्ण नहीं कहा जा सकता है। इस क्षेत्र के पेशेवरों में संवाद कौशल, भाषा पर नियंत्रण आदि का होना भी काफी मायने रखता है।

कृति सेनन के रांझणा बनेंगे धनुष! आनंद एल राय की तेरे इश्क में के लिए मिलाया हाथ

साउथ सुपरस्टार धनुष इन दिनों रायन की सफलता का जश्न मना रहे हैं। इसके साथ ही वे अपनी आने वाली फिल्म कुबेर को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। वहीं, इस बीच अब अभिनेता को लेकर एक और दिलचस्प खबर सामने आ रही है, जो उनकी नई फिल्म को लेकर है। खबर है कि उनकी जोड़ी एक बार फिर बॉलीवुड अभिनेत्री के साथ बन सकती है। वह अभिनेत्री कृति सेनन है। सोशल मीडिया पर यह खबर प्रशंसकों का उत्साह बढ़ा रही है। रिपोर्ट्स के अनुसार, जल्द ही एक नई फिल्म में धनुष और कृति सेनन एक साथ काम करते नजर आएंगे। 2013 में रांझणा की सफलता के बाद निर्देशक आनंद एल राय और अभिनेता धनुष एक बार फिर तेरे इश्क में नाम की एक और रोमांटिक फिल्म के लिए साथ आ रहे हैं। एक साल पहले एक विशेष वीडियो के साथ इसकी घोषणा की गई थी, लेकिन अभी तक कलाकारों की पुष्टि नहीं हुई है, जिससे चर्चा है कि कृति सेनन इस संगीतमय प्रेम कहानी में मुख्य भूमिका निभाने के लिए उत्साहित हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, कृति धनुष के साथ अभिनय करने के लिए बातचीत कर रही हैं। कृति सेनन और धनुष दोनों पहले भी निर्देशक आनंद एल राय के साथ अलग-अलग फिल्मों में काम कर चुके हैं। बताया जा रहा है कि फिल्म एआर रहमान की म्यूजिकल होगी, जिसके बोल इरशाद कामिल द्वारा लिखे जाएंगे। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि कृति सेनन ने कुछ महीने पहले आनंद एल राय से कहानी सुनी थी और इस एक्शन लव स्टोरी की दुनिया में उतरने में दिलचस्पी दिखाई है।

रिपोर्ट्स में यह भी बताया गया है कि निर्माता धनुष और कृति के अलावा एक और अभिनेता को कास्ट करना चाह रहे हैं। निर्माता कथित तौर पर कई अभिनेताओं से बातचीत कर रहे हैं और जल्द ही उनका चयन करेंगे। तेरे इश्क में की शूटिंग अक्तूबर 2024 में शुरू होने की उम्मीद है और ऐसे में यह फिल्म 2025 में रिलीज होगी। कृति सेनन दो पत्ती की रिलीज की तैयार कर रही हैं। वहीं, धनुष अब कुबेर में रश्मिका मंदाना के साथ नजर आएंगे।

सामंथा से पहले इन साउथ अभिनेत्रियों ने अभिनय के दम पर चमकाई सीरीज

आज के दौर में ओटीटी पर फिल्मों और वेब सीरीज को दर्शकों द्वारा खूब पसंद किया जा रहा है। भागदौड़ की जिंदगी में दर्शन भी अब घर बैठे सुकून से ओटीटी पर ही अपनी पसंदीदा सीरीज देखना पसंद करते हैं। ऐसे में सभी कलाकार ओटीटी प्लेटफॉर्म का रुख कर रहे हैं और अपने अभिनय का दाम दिखा रहे हैं। बॉलीवुड सितारे तो क्या साउथ सिनेमा के कलाकार भी अब ओटीटी पर अपनी धाक जमाने के लिए निकल चुके हैं। ऐसे में कई साउथ अभिनेत्रियों ने भी दमदार सीरीज में काम किया है, जिसका हालिया उदाहरण सामंथा रुथ प्रभु का है। वे एक बार फिर सिटाडेल के जरिए ओटीटी पर धमाल मचाने के लिए तैयार हैं।

सामंथा रुथ प्रभु

सबसे पहले शुरुआत सामंथा रुथ प्रभु से ही करते हैं। फैमिली मैन 2 के साथ सामंथा प्रभु ने अपनी सीरीज की शुरुआत की। राज और डीके शो के निर्देशन के प्रभारी थे। सामंथा ने राजी नाम की लड़की एक किरदार निभाया और आम जनता और आलोचकों दोनों ने वास्तव में उसके काम की प्रशंसा की। सीरीज में सामंथा ने खुद को एक विद्रोही नेता के रूप में बदल दिया, जो युद्ध में माहिर है और भयानक आघात का सामना कर चुकी हैं। अब वह सिटाडेल के भारतीय रूपांतरण के साथ दर्शकों को फिर से प्रभावित करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। सीरीज में वे बॉलीवुड अभिनेता वरुण धवन के साथ नजर आएंगी। यह वरुण का ओटीटी डेब्यू होगा।

नित्या मेनन

नित्या मेनन भी इस लिस्ट में शामिल हैं। नित्या ने अभिषेक बच्चन के साथ वेब सीरीज ब्रीद- इन्टू द शैडो में काम किया था। उन्होंने अभिषेक बच्चन की पत्नी का किरदार निभाया था। मयंक शर्मा द्वारा निर्देशित विक्रम तुली, प्रिया सागगी और अभिजीत देशपांडे की मनोवैज्ञानिक अपराध थ्रिलर में अभिषेक बच्चन, अमित साध, निथ्या मेनन, सयामी खेर और इवाना कौर दिखे थे।

राशि खन्ना

अभिनेत्री राशि खन्ना भी इस लिस्ट में अपनी जगह बनाए हुई हैं। उन्होंने फर्जी सीरीज में काम किया था, जिसमें वे शाहिद कपूर के साथ नजर आई थीं। सीरीज में अपने काम के बाद से ही फर्जी एक्टर राशि खन्ना को प्रशंसा मिली। सीरीज में उन्होंने आरबीआई ऑफिसर मेघा का किरदार निभाया था। शो में वह खुद को एक ईमानदार और बहुत ग्लैमरस ऑफिसर के रूप में पेश करती हैं।

प्रियामणि

इस लिस्ट के साउथ अभिनेत्री प्रियामणि भी शामिल हैं। द फैमिली मैन 2 में प्रियमणि ने सुचित्रा अय्यर की भूमिका निभाई है, जिसे सुची के नाम से भी जाना गया। सीरीज में वे एक ऐसी पत्नी थीं, जो अपने परिवार के लिए अकेले कमाने वाली बनकर तंग आ चुकी हैं। उनकी दृढ़ता और अभिनय की बहुत प्रशंसा की गई।

एसएस राजामौली की फिल्म एसएसएमबी29 से नहीं जुड़े विक्रम

चियान विक्रम अपनी अगली फिल्म थंगलान को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। पा रंजीत के निर्देशन में बनी यह फिल्म 15 अगस्त को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है। अभिनेता जोरो-शोरों से इसका प्रमोशन कर रहे हैं। हाल ही में वह फिल्म के प्रचार के लिए हैदराबाद में थे। इसी दौरान विक्रम ने थंगलान के प्रमोशन के साथ-साथ उस अफवाह पर भी चुप्पी तोड़ी, जिसका सच जानने के लिए प्रशंसक काफी ज्यादा उत्सुक थे। चियान ने निर्देशक एसएस राजामौली की आगामी फिल्म एसएसएमबी29 से जुड़ाव की अफवाहों पर प्रतिक्रिया दी। अस्थायी रूप से एसएसएमबी29 शीर्षक वाली यह फिल्म राजामौली और तेलुगु सुपरस्टार महेश बाबू के बीच पहले सहयोग का प्रतीक है। फिल्म ने वैश्विक ध्यान आकर्षित किया है, खासकर राजामौली की पिछली फिल्म आरआरआर के बाद, जिसने पिछले साल इतिहास रचते हुए ऑस्कर अपने नाम किया था। यह फिल्म एक वर्ष से अधिक समय से प्री-प्रोडक्शन में है। निर्माता, कलाकार और चालक दल इसकी वर्तमान स्थिति के बारे में चुप्पी साधे हुए हैं। महेश के बदलते हेयर स्टाइल के अलावा, फिल्म के घटनाक्रम के बारे में बहुत कम जानकारी जारी की गई है। विक्रम को एसएसएमबी29 में शामिल किए जाने को लेकर अटकलें लगाई जा रही हैं, जिससे चर्चा और भी बढ़ गई है। हालांकि, इस अफवाह में बहुत कम सच्चाई लगती है। विक्रम ने पुष्टि की कि वह भविष्य में राजामौली के साथ काम करने के लिए उत्सुक हैं, लेकिन अभी तक कोई विशेष फिल्म तय नहीं की गई है। विक्रम ने कहा, राजामौली एक अच्छे दोस्त हैं। हम पिछले कुछ समय से बात कर रहे हैं। बेशक, हम कभी एक फिल्म में काम भी करेंगे, लेकिन हमने किसी खास चीज पर विचार नहीं किया है।

नागेश कुकुनूर की मिसेज देशपांडे में नजर आएंगी माधुरी दीक्षित!

माधुरी दीक्षित निर्देशक नागेश कुकुनूर के साथ अपनी आगामी मनोवैज्ञानिक थ्रिलर वेब सीरीज मिसेज देशपांडे में नजर आएंगी। माधुरी दीक्षित ने पिछले कुछ सालों में कई फिल्मों में अपने बेहतरीन अभिनय से प्रशंसकों का दिल जीता है। अपने शानदार आभिनय के साथ ही माधुरी ने अपने बेहतरीन डांस के जरिए भी लोगों के दिलों में खास जगह बनाई है। वहीं मिसेज देशपांडे में माधुरी को एक अलग किरदार में देखना प्रशंसकों के लिए काफी मनोरंजक रहेगा। बॉलीवुड अभिनेत्री माधुरी दीक्षित ने टीवी रियलिटी शो और वेब सीरीज में भी बेहतरीन काम किया है। 2022 में द फेम गेम के साथ डिजिटल में अपनी शुरुआत करने के बाद अब माधुरी आगामी शो मिसेज देशपांडे में नजर आएंगी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस आगामी सीरीज में माधुरी एक सीरियल किलर की भूमिका में नजर आ सकती हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, माधुरी दीक्षित एक मनोवैज्ञानिक थ्रिलर फिल्म में सीरियल किलर की भूमिका निभाने के लिए बातचीत कर रही हैं, जिसे नागेश कुकुनूर द्वारा निर्देशित किया जाएगा। इस वेब सीरीज का नाम मिसेज देशपांडे है। शो की कहानी बताती है कि कैसे पुलिस एक सीरियल किलर को काम पर रखती है और दूसरे सीरियल किलर के तरीके को समझने और उसे पकड़ने के लिए उसके दिमाग का इस्तेमाल करती है। बता दें यह शो एक फ्रेंच सीरीज का रीमेक है। बहरहाल, वेब सीरीज की कास्टिंग का काम चल रहा है। वहीं माधुरी के प्रशंसक उनको एक डार्क रोल में देखने के लिए बेहद उत्साहित हैं। नागेश कुकुनूर को मॉडर्न लव हैदराबाद के निर्देशन के लिए जाना जाता है। उन्होंने सिटी ऑफ ड्रीम्स नाम की वेब सीरीज का भी निर्देशन किया है।

पुष्पा 2 के क्लाइमैक्स की शूटिंग कर रहे अल्लू अर्जुन

पुष्पा 2 इस साल की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। फिल्म से जुड़ी छोटी सी छोटी जानकारी का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। अल्लू अर्जुन और फिल्म निर्माता सुकुमार के बीच संभावित झगड़े की अटकलें पिछले कुछ समय से चल रही हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, अभिनेता-निर्देशक के बीच पुष्पा 2- द रूल की शूटिंग में देरी को लेकर मनमुटाव हुआ था। हालांकि, निर्माताओं की ओर से इस बारे में पुष्टि नहीं की गई थी। वहीं अब निर्माताओं ने फिल्म को लेकर दिलचस्प जानकारी साझा की है। निर्माताओं ने आखिरकार अल्लू अर्जुन और पुष्पा 2 के बारे में एक नया अपडेट दिया है। अल्लू अर्जुन इन दिनों पुष्पा 2 के क्लाइमेक्स सीन की शूटिंग कर रहे हैं और इसके भव्य होने की उम्मीद है। पोस्ट साझा करते हुए निर्माताओं ने लिखा, शूट अपडेट- पुष्पा 2 द रूल वर्तमान में क्लाइमेक्स के लिए एक शानदार एक्शन एपिसोड की शूटिंग कर रहा है। 6 दिसंबर 2024 को दुनिया भर में ग्रैंड रिलीज होगी। पोस्ट के अनुसार, टीम वर्तमान में इसके क्लाइमेक्स सीक्वेंस को फिल्मा रही है। निर्माताओं ने पुष्पा 2 की रिलीज की तारीख की भी पुष्टि की। खबर की घोषणा करते हुए, निर्माताओं ने फिल्म से एक छोटा सा अंश साझा किया, जिसमें पुष्पा राज उर्फ अल्लू अर्जुन अपने रोमांचक अवतार में नजर आ रहे हैं। पुष्पा 2- द रूल के लिए उत्सुकता बढ़ने के साथ ही इस अपडेट ने फिल्म की रिलीज को लेकर उत्साह और बढ़ा दिया है। उम्मीद है कि सीक्वल में शानदार नाटकीय अनुभव के लिए हाई-ऑक्टेन एक्शन सीक्वेंस दिखाए जाएंगे। पुष्पा 2 - द रूल की कहानी निर्देशक सुकुमार और श्रीकांत विसा द्वारा लिखी गई है।

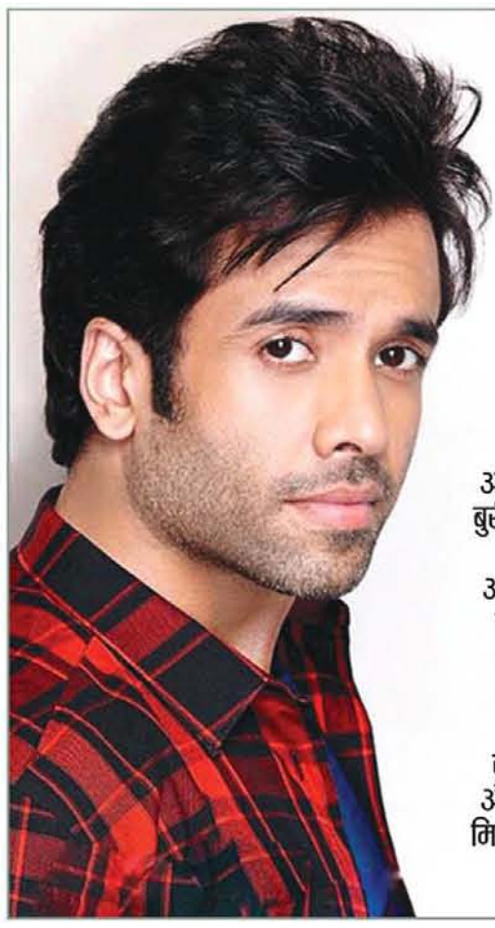

मैं अच्छी और बुरी किस्मत में विश्वास करता हूं, आज फिल्म रिलीज करना बहुत मुश्किल है

एक्टर-प्रड्यूसर तुषार कपूर बौद्ध धर्म के अनुयायी हैं। उनका मानना है कि अच्छी और बुरी किस्मत होती है और हम अपनी प्रार्थनाओं से भाग्य बदल सकते हैं। तुषार ने कहा, मैं अच्छे और बुरे भाग्य में यकीन करता हूं। हम इस दुनिया में कुछ खास कर्मों के साथ आए हैं। कुछ लोग कड़ी मेहनत करते हैं, लेकिन उन्हें एक निश्चित सीमा से ज्यादा कामयाबी नहीं मिल पाती, कुछ न कुछ बाधाएं उनके रास्ते में आती रहती हैं। एक्टर ने आगे कहा, और कभी-कभी, ऐसे लोगों को बड़ी कामयाबी मिल जाती है, जो लोग आलसी होते है, लेकिन चीजें उनके लिए सही हो जाती हैं।

मेरा मानना है कि यह सब आपके कर्म से जुड़ा है

उनका मानना है कि लंबे समय के लिए कड़ी मेहनत ज्यादा फायदेमंद होती है। एक्टर ने कहा, ये आपके टारगेट तक पूरा करने के लिए लगने वाले समय को कम कर सकता है या इससे चीजों में देरी भी हो सकती है, यह सब आपके भाग्य पर निर्भर करता है। मेरा मानना है कि यह सब आपके कर्म से जुड़ा है।

मैं बौद्ध धर्म को मानने वाला हूं

भाग्य को कैसे बदला जा सकता है, इस बारे में बात करते हुए तुषार ने कहा, मैं बौद्ध धर्म को मानने वाला हूं, इसलिए मुझे लगता है कि आप हमेशा अपने कर्म और भाग्य को बदल सकते हैं, अपने जीवन में और अधिक सौभाग्य जोड़ सकते हैं, अपनी किस्मत बदल सकते हैं। मैं अच्छे और बुरे भाग्य में विश्वास करता हूं, लेकिन मेरा मानना है कि यह तय नहीं है और आप इसे बदल नहीं सकते। मेरा मानना है कि प्रार्थना से आप अपनी किस्मत बदल सकते हैं।

ओटीटी शो दस जून की रात में नजर आ रहे हैं

तुषार फिलहाल ओटीटी शो दस जून की रात में नजर आ रहे हैं। इसमें वह भागेश का किरदार निभा रहे हैं, जिसकी किस्मत खराब है। यह पूछे जाने पर कि उन्हें क्या ज्यादा पसंद है, फिल्में या ओटीटी, तुषार ने कहा, पहला प्यार हमेशा फिल्म ही है, लेकिन एक एक्टर के तौर पर सेट पर जाकर परफॉर्म करना और एक अच्छी टीम के साथ काम करना...मुझे लगता है कि यह हर जगह एक जैसा है, फिर चाहे वह कोई फिल्म हो या वेब-शो।

आज फिल्म रिलीज करना बहुत मुश्किल है

उन्होंने कहा कि इसकी तुलना रियलिटी शो के काम से की जा सकती है, जिसका अनुभव कुछ अलग है। तुषार ने कहा, मैं ये नहीं कहूंगा कि एक दूसरे से बेहतर है। लेकिन हां, आज फिल्म रिलीज करना बहुत मुश्किल है। बहुत तनाव है, अगर महामारी है या कई मल्टीपल फिल्म रिलीज है, तो स्क्रीन की परेशानी सामने आती है। लेकिन वेब शो के लिए, यह समस्या नहीं होती, क्योंकि यह ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध होता है और दर्शक इसे कभी भी और कहीं भी देख सकते हैं।

वेब शो कम चुनौतीपूर्ण है

उन्होंने कहा, मैंने फिल्मों से शुरुआत की, उसकी खुशी ही कुछ अलग है। यह उस मायने में बेहतर है। वहीं वेब शो कम चुनौतीपूर्ण है, लेकिन जहां तक अच्छी रिलीज का सवाल है, आपको उसका फल मिलता है। इसलिए, यह भी एक अलग ही खुशी देता है। बता दें किदस जून की रात जियो सिनेमा पर स्ट्रीम हो रही है।

गर्ल्स हॉस्टल से अहसास चन्ना को मिली थी पहचान

अहसास चन्ना आज अपना 25वां जन्मदिन मना रही हैं। वह कई वेब सीरीज में अपने अभिनय का दमखम दिखा चुकी हैं। सीरीज से पहले वह यूट्यूब चैनल की सीरीज और कई शॉर्ट वीडियोज में भी नजर आ चुकी हैं। अहसास ने अपने करियर की शुरुआत बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट की थी। महज पांच साल की उम्र में सुष्मिता सेन के साथ उनकी पहली फिल्म वास्तु शास्त्र आई थी। ओह माय फ्रेंड गणेशा, कभी अलविदा न कहना और आर्यन जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं।

प्रदेश को बालश्रम मुक्त बनाना है : राजभर

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश के श्रम एवं सेवायोजन मंत्री अनिल राजभर ने कहा है कि उत्तर प्रदेश की योगी सरकार का संकल्प है कि उत्तर प्रदेश को बाल श्रम से मुक्त करना है। श्रम विभाग के अधिकारी राज्य सरकार के इस संकल्प को पूरा करने में कोई कमी न छोड़ें।

ग्रेटर नोएडा के नॉलेज पार्क-2 स्थित आईआईटी रूड़की के सभागार में प्रदेश के श्रम एवं सेवायोजन, समन्वय विभाग मंत्री ने श्रम विभाग की समीक्षा बैठक की। बैठक में श्रम मंत्री ने व्यवसायिक प्रतिष्ठानों का अधिक से अधिक पंजियन, निवेशकों को कोई परेशानी न हो इसके लिए इज ऑफ डूज बिजनेस प्लान के अनुसार कार्य करने, श्रमिकों के हितों की रक्षा, निर्माण में में शामिल श्रमिकों का पंजीकरण श्रमिकों को ज्यादा से ज्यादा सरकार की योजनाओं का लाभ देने के निर्देश अधिकारियों को दिये। श्रम मंत्री ने अधिकारियों से कहा कि नोएडा मॉडल को पूरे प्रदेश में स्थापित किया जाए ऐसा प्रयास श्रम विभाग के अधिकारी करें।

श्रम मंत्री ने बताया कि सभी जिलों में अटल आवासीय विद्यालय बनेंगे, शेल्टर होम बनाने की कार्यवाही चल रही है। सरकार लेबर अड्डे व श्रमिकों को सस्ते भोजन की उपलब्धता पर भी काम कर रही है।

समीक्षा बैठक में गौतमबुद्धनगर के अपर श्रमायुक्त सरजू राम ने जिले में श्रम विभाग द्वारा श्रमिकों के हित में किए जा रहे कार्यों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा सुदृढ़ कानून व्यवस्था के कारण जिले में उद्योगों की अधिक स्थापना हुई है।

सहायक आयुक्त का पद खाली

नोएडा एक औद्योगिक नगरी है जिस कारण यहां वाद-विवादों की संख्या ज्यादा है। श्रम विभाग में एक सहायक श्रम आयुक्त कार्यरत है जबकि 1 सहायक श्रम आयुक्त का पद रिक्त है। अपर श्रम आयुक्त सरजू राम ने मंत्री से सहायक श्रम आयुक्त के रिक्त पद को जल्द भरने का अनुरोध किया। समीक्षा बैठक में उप निदेशक कारखाना बुजेश सिंह के साथ ही अन्य अधिकारी मौजूद थे।

ग्रीन बेल्ट को रौंद कर प्राधिकरण लगा रहा इंटरलॉकिंग टाइल्स!

आदेश न मानने पर नोएडा व ग्रेटर नोएडा के सीईओ तलब, नोटिस जारी

नोएडा (चेतना मंच)। शहर में सड़कों के किनारे लगे पेड़-पौधों को दबाते हुए लगाई गई इंटरलॉकिंग टाइल्स को लेकर एनजीटी ने नोएडा और ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के दोनों सीईओ को कारण बताओ नोटिस जारी किया है।

एनजीटी ने विकास प्राधिकरण द्वारा 25 अप्रैल 2024 के आदेश का पालन नहीं करने पर नाराजगी जताई। एनजीटी ने नोएडा और ग्रेटर नोएडा के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों (सीईओ) को आज (9 अगस्त) को एनजीटी के समक्ष पेश होने का निर्देश दिया है। इस मामले में पिछले कुछ महीनों से एनजीटी सुनवाई कर रहा है। एनजीटी ने पिछले आदेश में निकायों को सड़क किनारे लगाए गए अनावश्यक इंटरलॉकिंग टाइल्स को हटाने का निर्देश दिया था, लेकिन प्राधिकरण ने इस पर कोई कार्रवाई नहीं की।

एनजीटी ने इस मामले में गंभीरता दिखाते हुए अब सीईओ को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। एनजीटी ने कहा है कि यदि सीईओ दी गई तारीख तक पेश नहीं होते हैं, तो उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। गौरतलब है कि एनजीटी ने पिछले आदेश में सड़क किनारे लगाए गए अनावश्यक इंटरलॉकिंग टाइल्स को हटाने का निर्देश दिया था, लेकिन निकाय ने इस पर कोई कार्रवाई नहीं की। अब एनजीटी ने गंभीरता दिखाते हुए सीईओ को नोटिस जारी किया है। यह मामला पिछले कई महीनों से एनजीटी में लंबित है।

विनेश फोगाट के समर्थन में कांग्रेसियों का प्रदर्शन

नोएडा (चेतना मंच)। पेरिस ओलंपिक में कुश्ती में नाम रोशन करने वाली पहलवान विनेश फोगाट के समर्थन में कांग्रेसी सड़क पर उतर गए हैं। महानगर काँग्रेस कमेटी नोएडा के अध्यक्ष मुकेश यादव के नेतृत्व मे कुश्ती की खिलाड़ी विनेश फोगाट के समर्थन में कांग्रेसियों ने सेक्टर-19 सिटी मजिस्ट्रेट कार्यालय पर प्रदर्शन कर महामहिम राष्ट्रपति के नाम सिटी मजिस्ट्रेट विवेकानंद मिश्रा को ज्ञापन सौंपा।

प्रदर्शन के दौरान महानगर अध्यक्ष मुकेश यादव ने कहा कि हमारे देश का नाम रोशन करने वाली खिलाड़ी विनेश फोगाट शानदार खेल खेलते हुए कुश्ती के फाइनल मैच में पहुंच चुकी थी परंतु अचानक से खबर आई है कि उन्हें मैच से अयोग्य घोषित कर दिया गया है उनके खिलाफ गहरी साजिश हुई है।

वरिष्ठ नेता दिनेश अवाना ने कहा है कि देश का नाम रोशन करने वाले खिलाड़ियों के साथ राजनीति की जा रही है। कल का दिन देश के लिए दुर्भाग्यपूर्ण रहा, पूर्व प्रदेश्य सदस्य सतेन्द्र शर्मा ने कहा है कि भाजपा की सरकार में खिलाडियों के साथ सौतेला व्यहवार किया जा रहा है।

पूर्व महानगर अध्यक्ष शहाबुदीन ने कहा कि काँग्रेस पार्टी खिलाडियों के साथ खड़ी है और जब तक न्याय नहीं मिलता है तब तक काँग्रेस के कार्यकर्ताओं का सँघर्ष जारी रहेगा। ज्ञापन देने वालों में राजकुमार भारती, पवन शर्मा, विक्रम सेठी, यूथ काँग्रेस नोएडा के अध्यक्ष नीरज अवाना, दयाशंकर पाण्डेय, पीसीसी सदस्य यतेंद्र शर्मा, विक्रम चौधरी, रामकुमार शर्मा, आरके प्रथम, अल्पसंख्यक के राष्ट्रीय सचिव लियाकत चौधरी, महिला नेत्री डॉ. सीमा, अरुण प्रधान, आसिफ, नेता मजहर सहित कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

हंसी योग के सदस्यों ने हरियाली तीज मनाई

नोएडा (चेतना मंच)। लाफ्टर क्लब सेक्टर-21 नोएडा के सदस्यों ने बड़े उत्साह और उमंग के साथ हरियाली तीज मनाई। इस मौके पर क्लब के वरिष्ठ सदस्य बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

रंगारंग कार्यक्रम में लगभग 100 सदस्यों ने भाग लिया। सदस्यों ने सावन के गीतों पर नृत्य किया और सभी का मनोरंजन किया। कार्यक्रम में सभी ने झूले का आनंद लिया और गीत गाए।

अंत में सदस्यों ने घेवर, मिठाई, कचौरी और गर्म चाय का आनंद लिया।

किया जागरूक

होशियारपुर गांव स्थित एसआर पब्लिक स्कूल में सेक्टर-71 फायर स्टेशन के इंचार्ज योगेन्द्र प्रसाद व उनकी टीम ने छात्र-छात्राओं को आग से बचाव व सुरक्षा की जानकारी दी। इस मौके पर आतंकवाद विरोधी मोर्चा के जिलाध्यक्ष हरदीप यादव, सुरेश प्रधान गिझौड़, नब्बू दरोगा, बाबूराम शास्त्री, मनोज वशिष्ठ सहित अन्य लोग मौजूद थे।

बैंक ऑफ इंडिया का अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन शुरू

नोएडा (चेतना मंच)। बैंक ऑफ इंडिया की शाखाओं में राजभाषा के अधिक से अधिक प्रयोग के संकल्प के साथ भारत के अग्रणी बैंक, बैंक ऑफ इंडिया का दो दिवसीय अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन प्रारंभ हो गया। सम्मेलन में बैंक ऑफ इंडिया में राजभाषा कार्यान्वयन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले आंचलों को पुरस्कृत भी किया गया।

बैंक ऑफ इंडिया प्रधान कार्यालय द्वारा स्टाफ प्रशिक्षण महाविद्यालय सेक्टर-62 में सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में बैंक ऑफ इंडिया के सभी आंचलों के राजभाषा अधिकारी शामिल हुए। सम्मेलन का उद्घाटन बैंक ऑफ इंडिया के प्रधान कार्यालय के कार्यपालक निदेशक राजीव मिश्रा, महाप्रबंधक विश्वजीत मिश्र, महाप्रबंधक नई दिल्ली लोकेश कृष्ण, आंचलिक प्रबंधक गाजियाबाद अंचल कुमार प्रशांत, महाविद्यालय के प्राचार्य अनुराग त्रिपाठी एवं सहायक प्रबंधक राजभाषा सुश्री मऊ मैत्रा ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्जवलित कर किया।

प्रधान कार्यालय के महाप्रबंधक बिश्वजित मिश्र ने सभी का स्वागत करते हुए इस आयोजन के उद्देश्य से सभी को अवगत कराया तथा वर्ष भर राजभाषा कार्यान्वयन में की गई गतिविधियों की रूपरेखा प्रस्तुत की।

सम्मेलन में श्रीमती अंशुली आर्या, आईएएस सचिव भारत सरकार राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय से शुभकामना संदेश प्राप्त हुआ जिसके माध्यम से उन्होने राजभाषा के व्यापक प्रचार.प्रसार पर जोर दिया साथ ही बैंक ऑफ़ इंडिया द्वारा राजभाषा के क्षेत्र में किए जा रहे उल्लेखनीय कार्यों की सराहना की। बैंक ऑफ़ इंडिया के कार्यपालक निदेशक राजीव मिश्रा ने उपस्थित सभी अधिकारियों से बैंक में राजभाषा के अधिक से अधिक प्रयोग करने की अपील की। इस दौरान महाप्रबंधक, नई दिल्ली लोकेश कृष्णा ने राजभाषा की महत्ता पर प्रकाश डाला।

सम्मेलन के दौरान ई-लर्निंग मॉड्यूलए ऑनलाइन शाखा राजभाषा निरीक्षण प्रोफार्मा एवं बैंक की गृह पत्रिका बीओआई वार्ता का विमोचन किया गया।

इस दो दिवसीय कार्यक्रम के दौरान उपस्थित राजभाषा अधिकारियों को संसदीय राजभाषा समिति की संशोधित निरीक्षण प्रश्नावली पर जानकारी प्रदान की जाएगी। साथ ही भारत सरकारए राजभाषा विभाग द्वारा तैयार की गई कंठस्थ 2.0 अनुवाद सारथी पर भी चर्चा होगी।